

नवोदय

पंजाब एण्ड सिंध बैंक की तिमाही गृह पत्रिका | मार्च 2022



Navodaya

Punjab & Sind Bank Quarterly House Journal | March 2022



PERFORMERS OF BANCASSURANCE BUSINESS FOR FY-2021-22

TARGET ACHIEVER IN BANCASSURANCE



SH. RAJESH MALHOTRA
ZONAL MANAGER
(JALANDHAR)

| | |
|------------------------------|-------------------|
| COMBINED COMM TARGET (LI&GI) | - Rs. 102.45 LAKH |
| COMBINED COMM EARNED (LI&GI) | - Rs. 105.86 LAKH |
| ACHIEVEMENT % | - 102.84% |

BEST ZONES (LIFE INSURANCE) FOR FY-2021-22:-

| SR. NO | ZONE NAME | ZONAL MANAGER | COMMISSION TARGET | COMMISSION EARNED | % of TARGET ACHIEVEMENT |
|--------|------------|------------------------|-------------------|-------------------|-------------------------|
| 1 | JALANDHAR | SH. RAJESH MALHOTRA | 74.99 | 93.32 | 124.45% |
| 2 | HOSHIARPUR | SH. A.N.SINGH | 51.25 | 59.14 | 115.38% |
| 3 | KOLKATA | SH. LALIT KUMAR SHARMA | 75.46 | 82.39 | 109.19% |
| 4 | LUDHIANA | SH. ASHINI KUMAR | 76.16 | 75.52 | 99.16% |
| 5 | JAIPUR | SH. SUNIL KUMAR GERA | 60.17 | 56.01 | 93.09% |



SH. A.N. SINGH
ZONAL MANAGER
(HOSHIARPUR)

| | |
|------------------------------|------------------|
| COMBINED COMM TARGET (LI&GI) | - Rs. 70.80 LAKH |
| COMBINED COMM EARNED (LI&GI) | - Rs. 71.76 LAKH |
| ACHIEVEMENT % | - 101.35% |

BEST ZONES (GENERAL INSURANCE) FOR FY-2021-22

| SR. NO | ZONE NAME | ZONAL MANAGER | COMMISSION TARGET | COMMISSION EARNED | % OF TARGET ACHIEVEMENT |
|--------|-------------|------------------------------|-------------------|-------------------|-------------------------|
| 1 | GANDHINAGAR | SH. SANJEEV KUMAR GUPTA | 9.63 | 7.92 | 82.29% |
| 2 | PATIALA | SH. SATBIR SINGH | 30.86 | 24.89 | 80.66% |
| 3 | KOLKATA | SH. LALIT KUMAR SHARMA | 27.72 | 18.53 | 66.85% |
| 4 | LUCKNOW | SH. GAIRAJ DEVI SINGH THAKUR | 30.62 | 19.86 | 64.87% |
| 5 | HOSHIARPUR | SH. A.N.SINGH | 19.55 | 12.62 | 64.55% |

Top 4 Zones of the Bank in composite Ranking as on 31st March, 2022



Shri A.N. Singh
ZM Hoshiarpur (Rank 1)



Shri Santosh Kumar Neeraj
ZM Vijayawada (Rank 2)



Shri Lal Remthang Hmar
ZM Guwahati (Rank 3)



Ms. Mahima Agarwal
ZM Dehradun (Rank 4)

Inauguration Of Finacle 10.X Project On 20.01.2022



Now, Bank has introduced Digital Banking Transformation by upgrading the CBS version to Finacle 10.2.25 with the objective of enabling Bank to achieve:

- Enhanced products and services
- Ability to cater more customer segments
- Digitization
- Better Regulation and Compliance
- Functional Enhancements
- Improved Technology and Architecture
- Process Improvements and Automation
- Scale-up digitally,
- Experience industry standard security

Advantages of Finacle 10.x over 7.x

- All transactions can be performed in a 24x7 mode
- Standard GUI based tools available for doing various customizations
- GUI based reporting utility for easy modification of existing reports and creating new ones in multiple formats
- Complete Multi-Tiered Service Oriented Architecture (SOA) enabling easy integration of core functionalities with external applications
- Support for Single Sign On (SSO) along with Multi factor authentication

Other Major Allied Solutions

- Document Management System (DMS)- To receive, track, manage and store documents and reduce paper use
- Aadhaar Vault -To secure Aadhar data as per UIDAI/NPCI guidelines
- Enterprise Service Bus (ESB) – To enhance communication between mutually interacting CBS and other applications
- Application Performance Monitoring (APM)- For real-time monitoring of CBS and other applications
- Automated Disaster Recovery Solution (ADR)- To automate the disaster recovery plan

मुख्य संरक्षक

श्री एस. कृष्णन

प्रबंध निदेशक एवं
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

संरक्षक

श्री कोल्लेगाल वी राघवेन्द्र

कार्यकारी निदेशक

डॉ. रामजस यादव

कार्यकारी निदेशक

मुख्य संपादक

श्री कामेश सैठी

महाप्रबंधक

सह मुख्य राजभाषा अधिकारी

संपादक मंडल

श्री राजेश सी पांडे

महाप्रबंधक

श्रीमती भारती

प्रबंधक (राजभाषा)

पंजाब एण्ड सिंध बैंक गृह पत्रिका में प्रकाशित सामग्री में दिए गए विचार, संबंधित लेखक के अपने हैं। पंजाब एण्ड सिंध बैंक का प्रकाशित विचारों से सहमत होना ज़रूरी नहीं है। सामग्री की मौलिकता एवं कॉपी राइट अधिकारों के प्रति भी लेखक स्वयं उत्तरदायी है।

मुद्रक : जैना ऑफसेट प्रिंटेर्स

ए 33/2, साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया,

गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश

फोन नं. : 98112 69844

ई-मेल: jainoffsetprinters@gmail.com

विषयसूची/Index

| | |
|---|---------|
| 1. Inaugration of finacle 10.x | 1 |
| 2. संपादक मंडलविषय-सूची | 2 |
| 3. संपादकीय | 3 |
| 4. शुभकामनाएं एवं सुझाव | 4 |
| 5. आभार | 5 |
| 6. Know about our new Director's | 6 - 7 |
| 7. Newly Promoted Executives | 8 |
| 8. धारा 80सी की सीमा के अतिरिक्त आयकर बचत निवेश के विकल्प | 9 - 11 |
| 9. Branch Manager's Review Meeting | 12 - 13 |
| 10. 2nd Runner up in DSB | 14 |
| 11. Q4 FY 2021-22 Highlights (y-o-y) | 15 |
| 12. Performance of the zone as on 31.03.2022 | 16-17 |
| 13. बैंकों में अग्नि संरक्षा प्रबंधन | 18 - 20 |
| 14. Zones Activities | 21 |
| 15. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस | 22-23 |
| 16. Zonal Managers' conference / Meeting with Staff Union | 24 |
| 17. Crypto-A New Dynamics of Monetary Market | 25-27 |
| 18. पंजाब एण्ड सिंध बैंक हॉकी अकादमी | 28 |
| 19. Replacement | 29-30 |
| 20. SHG award/ APY facilitation programme | 31 |
| 21. डिजिटल विस्तार के साथ देश में डिजिटल लैंडिंग की संभावनाएं | 32-35 |
| 22. Important Circulars | 36-37 |
| 23. बैंकों में बढ़ती धोखाधड़ी | 38 |
| 24. Initiative taken by bank | 39 |
| 25. Green Revolution 2.0 | 40 |
| 26. आंचलिक कार्यालय लुधियाना | 41 |
| 27. Introduction of Mentorship Scheme | 42-43 |
| 28. List of Bancassurance Nodal Officers | 44 |
| 29. आंचलिक कार्यालय गुरुग्राम दौरा | 45 |



संपादकीय

साथियों,

‘बैंक हाउस जर्नल नवोदय’ पत्रिका का यह अंक नवोन्मेषी विचारों के साथ आपके समक्ष प्रस्तुत करना मेरे लिए प्रसन्नता का विषय है। सर्वप्रथम आप सभी स्टाफ सदस्यों को महिला दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं! आज के इस गतिशील परिदृश्य में संसाधनों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करने वाला ही निरंतर सफलता प्राप्त कर सकता है। पिछले वर्ष से अब तक हमारा बैंक प्रगति की सीढ़ियों की ओर बढ़ रहा है और सफलता पा रहा है। इसके लिए बैंक प्रबंधन और समस्त स्टाफ सदस्य बधाई के पात्र हैं।

मुझे यह बताते हुए गर्व होता है कि बैंक की स्टाफ महिला सदस्य महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते हुए बैंक को नई उचाइयों तक ले जाने हेतु प्रयत्नशील हैं। साथियों हमारे बैंक ने सीबीएस में फिनेकल 10 की ओर कदम बढ़ा लिया है। मुझे पूरा विश्वास है कि जल्द ही हम इसे पूर्णतरु कार्यान्वित भी कर लेंगे। नवोदय पत्रिका अंक दर अंक नवीन और सृजनात्मक विचारों के साथ आगे बढ़ रही है। पत्रिका के प्रस्तुत अंक में बैंक में आयोजित होने वाली गतिविधियों, नवीन उत्पादों, बैंक द्वारा ग्राहकों के लिए नए कदम, परिपत्रों के साथ-साथ विभिन्न लेखों को समाहित किया गया है। **Crypto- A new dynamics of monetary market, Replacement, Green Revolution-2.0**, बैंकों में अग्नि सुरक्षा, डिजिटल विस्तार के साथ देश में डिजिटल बैंकिंग की संभावनाएं, धारा 80 सीसी के अतिरिक्त आयकर बचत निवेश के विकल्प आदि जानकारी बढ़ाने वाले लेखों को स्थान दिया गया है।

मुझे आशा है कि पत्रिका का यह अंक आप सभी के लिए ज्ञानवर्धक सिद्ध होगा। बैंकिंग के विविध पहलुओं को समेटे हुए यह पत्रिका आपको कैसी लगी और इसके साथ ही इसमें नवोन्मेष की दिशा में आपकी प्रतिक्रिया और सुझावों को हमें प्रेषित करते रहें।

स्वस्थ रहें एवं स्वच्छता के नियमों का पालन करते रहें, शुभकामनाओं सहित!

(कामेश सेठी)

(कामेश सेठी)

महाप्रबंधक एवं मुख्य संपादक

शुभकामनाएं एवं सुझाव

आपके बैंक की तिमाही गृह पत्रिका "नवोदय" का नवीनतम अंक प्राप्त कर प्रसन्नता हुई। सर्वप्रथम इस पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु हमारी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं स्वीकार करें।

बैंक की तिमाही गृह पत्रिका के इस अंक में बैंक की विभिन्न गतिविधियों को बखूबी दर्शाया गया है। पत्रिका के इस अंक में बैंकिंग विषयों के साथ-साथ समसामयिक विषयों पर आलेखों का समावेश काफी ज्ञानवर्धक है। विशेषकर पत्रिका में प्रकाशित आलेख "पर्यावरण संरक्षण इतना महत्वपूर्ण क्यों है?" में बहुत ही सार्थक और उपयोगी विषय की ओर हमारा ध्यान आकर्षित किया गया है। आलेख "NEO BANK: ARRIVAL OF CHALLENGER BANKS" के माध्यम से बताया गया है कि किस तरह ऑनलाइन बैंकिंग भौतिक शाखाओं की जगह लेती हुई नजर आ रही है। पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए संपादकीय टीम को हार्दिक बधाई और एवं आगामी अंक के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं।

संजय सिंह

प्रमुख-राजभाषा एवं संसदीय समिति, बैंक ऑफ बड़ौदा



हमें बैंक की द्विभाषिक तिमाही गृह पत्रिका "नवोदय" का दिसंबर 2021 अंक प्राप्त हुआ, जिसके लिए आपका कोटि-कोटि धन्यवाद ! पत्रिका में प्रकाशित सामग्री हमेशा की तरह बहुत ही आकर्षक एवं प्रेरणादायक लगी। पत्रिका में प्रकाशित हिंदी विषयों जैसे पर्यावरण संरक्षण इतना महत्वपूर्ण क्यों है?, भ्रष्टाचार- मूल तथा उन्मूलन आदि रचनाओं ने हृदय में विशेष स्थान बनाया इसके अतिरिक्त अन्य विषयों पर प्रकाशित रचनाएँ जैसे APY - Not just about pension..., Neo Banks : Arrival of Challenger Banks, PSB UniC&A Unique for everything you need] Budget 2022 आदि भी बहुत ही ज्ञानवर्धक लगीं। इस पत्रिका में प्रकाशित छायाचित्रों के माध्यम से बैंक के प्रधान कार्यालय एवं विभिन्न अंचल कार्यालयों में हो रही अन्य गतिविधियों के बारे में भी जानकारी मिली। मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन एवं इस पत्रिका के माध्यम से बैंक को प्राप्त विभिन्न उपलब्धियों हेतु पत्रिका के संपादक मंडल/प्रकाशक को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

रश्पाल सिंह

आंचलिक प्रबंधक, गुरदासपुर

हमें बैंक की तिमाही गृह पत्रिका "नवोदय" के नवीनतम अंक की प्राप्ति हुई, जिसके लिए आप सभी लोगों का हार्दिक धन्यवाद।

नवोदय का दिसंबर 2021 अंक अपने में ज्ञानवर्धक जानकारियों व रोचक सामग्रियों को समेट कर हम सभी पीएसबीएन के जीवन में नई उर्जा, नई चेतना, सकारात्मक सोच, यशस्वी जीवन, नई उपलब्धियाँ हासिल करने के लिए प्रेरित करती हैं। पत्रिका में प्रकाशित आलेख "पर्यावरण संरक्षण इतना महत्वपूर्ण क्यों है ? ["Vigilance Angle"] Neo Banks: "Arrival of Challenger Banks"]" भ्रष्टाचार - मूल तथा उन्मूलन" आदि काफी ज्ञानवर्धक एवं सूचनाप्रद है, पत्रिका में प्रकाशित अन्य आलेख भी रोचक, महत्वपूर्ण एवं आकर्षक है।

पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए पूरी संपादकीय टीम को हार्दिक बधाई एवं आगामी अंकों के लिए शुभकामनाएं।

संजय प्रकाशश्रीवास्तव

आंचलिक प्रबंधक, मुंबई

'नवोदय' पत्रिका का दिसंबर 2021 अंक हमें पढ़ने को मिला। इस बार का अंक विविधताओं से भरा है। जैसे- पर्यावरण, ग्राहक सेवा, सतर्कता जागरूकता, भ्रष्टाचार उन्मूलन, पीएसबी यूनिट आदि पर रोचक जानकारी दी गई है। इस अंक में बैंकिंग मुद्दों के साथ-साथ देश-दुनियाँ के अन्य प्रासंगिक मुद्दों को पढ़कर आत्मिक सुख मिला। यह पत्रिका बहुत ही कम समय में रोचक प्रस्तुतियों के कारण बहुत लोकप्रिय हो रहा है। पत्रिका के इस अंक में अंचल-नोएडा के डोर टू डोर कैम्पेन को एक पूरा पृष्ठ पर स्थान मिला है, जो हमारे स्टाफ के लिए उत्साहवर्धन का कार्य करेगा। इसके लिए संपादक मंडल के प्रति आभार।

विनोद कुमार पाण्डेय

आंचलिक प्रबंधक, अंचल-नोएडा

आभार !



बैंक हाउस पत्रिका 'नवोदय' के माध्यम से आप सभी गुणी एवं मूल्यवान पाठकों से पहली बार संवाद करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। पंजाब एण्ड सिंध बैंक में डॉ. नीरू पाठक का 36 वर्षों का लंबा सफर रहा है। हिंदी के प्रति इनका रुझान इन्हें प्रधान कार्यालय राजभाषा विभाग ले आया। प्रधान कार्यालय में सभी इन्हें 'हिंदी वाली मैडम' के नाम से संबोधित किया करते थे। अपनी सेवानिवृत्ति से पूर्व डॉ. नीरू पाठक, प्रबंधक नवोदय पत्रिका का कार्य संचालन कर रही थी। उनकी देखरेख में नवोदय पत्रिका का विस्तार हुआ और साथ ही उनके कुशल प्रबंधन और रचनात्मकता से नवोदय ज्ञानवर्धक बनी है। इसके लिए वे बधाई की पात्र हैं। इनके कुशल नेतृत्व ने नवोदय को नए आयाम मिले हैं। नवोदय पत्रिका के संपादक मंडल का हिस्सा होने का कार्य इन्होंने बखूबी निभाया। इसके अलावा, पत्रिका में विभिन्न विषयों पर इनके लेख भी प्रकाशित होते रहे हैं।

सर्वप्रथम मैं बैंक प्रबंधन का आभार प्रकट करती हूँ कि आपने मुझे बैंक की हाउस जर्नल पत्रिका नवोदय के संपादन का कार्यभार सौंपा। नवोदय पत्रिका एक ऐसा मंच है जो बैंक के स्टाफ सदस्यों को बैंक की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराता है। नवोदय के माध्यम से हम एक-दूसरे के विचारों को जानने और समझने का प्रयास करते हैं। नवोदय में प्रकाशित होने वाली गतिविधियों के माध्यम से अंचल कार्यालयों और जहां तक संभव हो शाखा सदस्यों को जान पाते हैं। नवोदय पत्रिका प्रत्येक तिमाही का सार प्रस्तुत करती है। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे इस पत्रिका से सीधे जुड़ने का मौका मिल रहा है। नवोदय पत्रिका में मेरे लेख पूर्व में भी प्रकाशित होते रहे हैं किंतु वह केवल मेरे विचारों तक ही सीमित था किंतु संपादक मंडल का हिस्सा बनकर मुझे सभी के विचारों को साझा करने का मौका मिल रहा है और इसके माध्यम से मैं आश्वासन देती हूँ कि उर्जावान और उच्च कार्यक्षमता का निर्वहन करते हुए बैंक की हाउस जर्नल पत्रिका को नई उचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रयत्नशील रहूंगी।

धन्यवाद!

भारती
संपादक



KNOW ABOUT OUR NEW DIRECTORS



Sh Shankar Lal Agarwal

Non-Official Director

Mr Shankar Lal Agarwal has been appointed as Non-official director of Punjab and Sind Bank by Govt. of India w.e.f. 21.12.2021. He is a practising Chartered Account and Senior Partner of S Garg & Company since 1989. He has done B.Com and LLB from University of Rajasthan. He has vast experience in the field of accounts, Taxation, Budgeting and public finance.

He has been member in various committees namely; State Public Redressal & Grievance Committee of Govt. of Rajasthan, Academic Committee and Project Committee of ICAI, Committee of Public finance and Government accounting of ICAI, Co-coordinator in regional State wise PDC Sub Committee Rajasthan of ICAI, Technical advisor Government Entrepreneur, VAT advisory & Grievance Committee, Finance & Budget Advisory Committee, Executive member of Rajasthan Tax Consultants Association.

He has written various books and also written editorials for many renowned magazines. He is Independent Director of Hindustan Salt Ltd. and Sabhar Salt Ltd., Govt. of India undertaking.



Ms Rshmi Khetrpal

Non-Official Director

Ms. Rshmi Khetrpal was appointed as the Non- Official Director on the Board of Punjab and Sind Bank w.e.f 21.03.2022. Prior to this, she was independent director of Haryana State Industrial & Infrastructure Development Corp (HSIIDC), Chairperson of NISACA of ICAI, VAT committee of NIRC of ICAI, and other committees of ICAI as well. She was awarded for her excellent contribution to the profession in NIRC of ICAI.

Ms. Khetrpal is the founder Director of Count magic Online services; a company developing software in accounting & GST for MSMEs, besides this, she is a Chartered Accountant with experience of more than two decades and has expertise in Accounting, Finance, Internal Audit, Taxation, and Information Technology, She has also addressed more than 500 seminars on various topics of GST, Occupational frauds, internal controls and POSH.



Ms Jayasree M.G.
Non-Official Director

M.Sc. in Public Management and Governance from London School of Economics & Political Science, London, UK and M.Sc. in Statistics from M.G. University, Kerala, Ms. Jayasree M.G., Indian Statistical Service (1998), is currently posted as Deputy Director General in Department of Financial Services, Ministry of Finance, Government of India, New Delhi. She currently serves on the Board of Directors of Punjab & Sind Bank, New Delhi and United India Insurance Co. Ltd., Chennai.

She has vast experience at various levels in different capacities in Government of India. Before holding post in Department of Financial Services, she had worked in Election Commission of India, Ministry of Statistics & Programme Implementation, Ministry of Small & Medium Enterprises, Department of Animal Husbandry and Ministry of New & Renewal Energy.

She has been appointed as Government Nominee Director on the Board of Punjab & Sind Bank by Government of India w.e.f. 11.04.2022.



**Welcome
to our new
Directors**



Heartly Congratulations to the Newly Promoted Executives



Shri Gajraj Devi Singh Thakur

Promoted from Deputy General Manager (DGM) to General Manager (GM)



Ms. Mahima Agarwal

Promoted from AGM to DGM



Shri Vinay Khandelwal

Promoted from AGM to DGM



Shri Satbir Singh

Promoted from AGM to DGM

धारा 80सी की सीमा के अतिरिक्त आयकर बचत निवेश के विकल्प



देवेन्द्र कुमार

अधिकांश लोग आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये की कर कटौती का दावा करने के बारे में जानते हैं जिनमें जीवन बीमा प्रीमियम, पीपीएफ, ईपीएफ, सुकन्या और कर-बचत सावधि जमा आदि शामिल हैं, किंतु धारा 80सी के अलावा अन्य ऐसे कर-बचत के भी विकल्प हैं, जिनमें निवेश करके आप अपनी टैक्स देनेदारी को कम कर सकते हैं। आइए इन विकल्पों पर एक नजर डालते हैं-

धारा 80सीसीडी : राष्ट्रीय पेंशन योजना

धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये के योगदान के अलावा, आप एनपीएस में अतिरिक्त 50,000 रुपये का निवेश कर सकते हैं जिसे धारा 80सीसीडी के तहत कर कटौती के रूप में दावा किया जा सकता है। यह आपको एनपीएस में निवेश करके हर साल 2 लाख रुपये तक की टैक्स कटौती का दावा करने का विकल्प देता है।

धारा 80डी : स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम का भुगतान

आयकर अधिनियम की धारा 80डी के तहत, आप अपने परिवार के सदस्यों के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम और अपने स्वास्थ्य बीमा के लिए कर कटौती का दावा कर सकते हैं। यह खंड आपको अपने, पति या पत्नी और अपने बच्चों के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम पर प्रति वर्ष अधिकतम 25,000 रुपये की कटौती का दावा करने की अनुमति देता है। यदि आप अपने माता-पिता के लिए चिकित्सा बीमा प्रीमियम का भुगतान कर रहे हैं, तो आप 25,000 रुपये की अतिरिक्त कटौती के लिए पात्र हैं, जिससे आपकी कुल



कटौती 50,000 रुपये हो जाएगी।

इसके अलावा, यदि व्यक्ति और उसके माता-पिता दोनों की आय 60 वर्ष से कम है, तो इस धारा के तहत अधिकतम छूट सीमा 75,000 रुपये हो जाएगी। और, यदि व्यक्ति और उसके माता-पिता दोनों की आय 60 वर्ष से अधिक है, तो इस धारा के तहत कुल 1,00,000 रुपये का दावा किया जा सकता है।

धारा 80ई : शिक्षा ऋण का पुनर्भुगतान

स्वयं, पति या पत्नी, बच्चों या किसी भी छात्र, जिसके आप कानूनी अभिभावक हैं, के लिए शिक्षा ऋण के लिए ब्याज के रूप में भुगतान की गई राशि को इस धारा के तहत कर कटौती के रूप में दावा किया जा सकता है। एक वित्तीय वर्ष में भुगतान किए गए ब्याज के लिए कटौती के रूप में दावा करने की कोई सीमा नहीं है। आप जिस वर्ष से शिक्षा ऋण चुकाना शुरू करते हैं, उससे अगले सात वर्षों तक या कुल ब्याज का भुगतान होने तक, जो भी पहले



हो, तक कटौती का दावा कर सकते हैं। इसके अलावा, इस कर कटौती का दावा केवल तभी किया जा सकता है जब ऋण किसी स्वीकृत वित्तीय संस्थान से लिया गया हो, न कि परिवार के किसी सदस्य या दोस्तों से। इसका लाभ केवल उच्च अध्ययन हेतु लिए गए शिक्षा ऋण के लिए लिया जा सकता है।

धारा 24 : गृह ऋण का ब्याज भुगतान

करदाता आयकर अधिनियम की धारा 24 के तहत कर कटौती के रूप में होम लोन के ब्याज घटक के रूप में भुगतान की गई राशि का दावा कर सकते हैं। इस धारा के तहत अधिकतम सीमा 2 लाख रुपये है जिसका लाभ स्व-अधिकृत संपत्ति के लिए गृह ऋण के ब्याज भुगतान के रूप में लिया जा सकता है। हालांकि, यदि आप संपत्ति पर कब्जा नहीं कर रहे हैं और किराए पर हैं तो कोई अधिकतम सीमा नहीं है, और आप कर कटौती के रूप में पूरी ब्याज राशि का लाभ उठा सकते हैं।

धारा 80ईई : पहली बार खरीदारों के लिए गृह ऋण का ब्याज भुगतान

यदि आपके पास कोई अन्य गृह संपत्ति नहीं है (पहली बार घर खरीदने वाले), तो आप धारा 80ईई के तहत 50,000 रुपये तक की कटौती का दावा कर सकते हैं। यह राशि धारा 24 के तहत होम लोन ब्याज के पुनर्भुगतान के लिए 2 लाख रुपये के कर लाभ से ऊपर है। इस कटौती का लाभ उठाने की शर्तों में यह शामिल है कि घर का मूल्य 50 लाख रुपये से कम होना चाहिए, और ऋण राशि 35 लाख रुपये या उससे कम होनी चाहिए। इसके अलावा, होम लोन को 1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2017 के बीच स्वीकृत होना चाहिए।

धारा 80ईईए : पहली बार खरीदारों के लिए होम लोन का ब्याज भुगतान

यदि आपके पास कोई अन्य गृह संपत्ति नहीं है (पहली बार घर खरीदने वाले), तो आप धारा 80ईईए के तहत 1,50,000 रुपये तक की कटौती का दावा कर सकते हैं। यह राशि धारा 24 के तहत होम लोन ब्याज के पुनर्भुगतान के लिए 2 लाख रुपये के कर लाभ से ऊपर है। इस कटौती का लाभ उठाने की शर्तों में यह शामिल है कि घर का स्टांप शुल्क मूल्य 45 लाख रुपये

से कम होना चाहिए। इसके अलावा, होम लोन को 1 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 के बीच स्वीकृत होना चाहिए।

धारा 80ईईबी : इलेक्ट्रिक वाहन की खरीद के लिए लिए गए ऋण पर चुकाया गया ब्याज

अगर आपने इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए लोन लिया है, तो आप धारा 80ईईबी के तहत 1,50,000 रुपये तक की कटौती का दावा कर सकते हैं। इस कटौती का लाभ उठाने की शर्त यह है कि ऋण 1 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2023 के बीच स्वीकृत होना चाहिए।

धारा 80जी : धर्मार्थ संस्थानों को दान

इस धारा के तहत सरकार द्वारा अनुमोदित धर्मार्थ संस्थानों को किए गए दान पर कटौती का दावा किया जा सकता है। दान मंदिर, मस्जिद और चर्च जैसे पूजा स्थल के नवीनीकरण के लिए हो सकता है, बशर्ते कि उन्हें केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया हो। इस धारा के तहत कर कटौती का लाभ उठाने के लिए, आपको चेक द्वारा दान करना चाहिए, क्योंकि वित्त वर्ष 17-18 से शुरू होकर 2,000 रुपये से अधिक का नकद दान कटौती के योग्य नहीं है। सरकार द्वारा स्वीकृत कुछ निधियों में राष्ट्रीय रक्षा कोष, प्रधान मंत्री राष्ट्रीय राहत कोष, स्वच्छ गंगा कोष, राष्ट्रीय बाल कोष आदि शामिल हैं।

धारा 80जीजी : रहने के लिए भुगतान किया गया किराया

इस कटौती का दावा केवल तभी किया जा सकता है जब आपको अपने वेतन के हिस्से के रूप में मकान किराया भत्ता (एचआरए) नहीं मिलता है, या यदि आप एक स्व-नियोजित व्यक्ति हैं। इस कटौती का लाभ उठाने के लिए, आपको फॉर्म 10बीए जमा करना होगा। आप इस सेक्शन के तहत 60,000 रुपये तक की कटौती का दावा कर सकते हैं।

धारा 80 जीजीए : किसी संस्थान को दिया गया दान

अगर आपने सरकार द्वारा मंजूर (35(1)(पप), 35(1)(पपप), 35सीसीए, 35सीसीबी के तहत) किसी वैज्ञानिक अनुसन्धान करने वाली संस्था, यूनिवर्सिटी या कॉलेज को दान दिया है तो इस रकम पर कर छूट हासिल किया जा सकता है। इसमें 10000 रुपये से अधिक के चंदे पर छूट तभी हासिल किया जा सकता है जब दान नकदी के अलावा किसी अन्य माध्यम से दिया गया हो। कारोबारी या पेशेवर आमदनी से इस तरह का दान इनकम टैक्स में छूट के लायक नहीं है।

धारा 80 जीजीसी : राजनीतिक पार्टियों को दिया गया चंदा

अगर आपने किसी राजनीतिक पार्टी को चंदा दिया है तो आप इस पर कर छूट हासिल कर सकते हैं। इस सेक्शन के तहत आपने जितना दान दिया है, उस पूरी रकम पर आप कर छूट हासिल कर सकते हैं। इसमें सिर्फ एक शर्त यह है कि पेमेंट नकदी में नहीं किया गया हो।

धारा 80 क्यूक्यूबी : लेखकों को रॉयल्टी से आमदनी

अगर आप लेखक हैं (स्कूल या कॉलेज की किताबों के अलावा) और आपको रॉयल्टी के रूप में एकमुश्त या कोई आमदनी हुई है तो इस सेक्शन के तहत उस पर कर छूट हासिल किया जा सकता है। इसमें एकमुश्त कमाई पर कर छूट की सीमा तीन लाख रुपये तक है। अगर रकम एकमुश्त नहीं मिली है तो कर छूट की सीमा उस किताब से हुई सालाना कमाई के 15 फीसदी तक सीमित है।

धारा 80 आरआरबी : पेटेंट की रॉयल्टी से कमाई

अगर आपने साल 2003 के बाद कोई पेटेंट हासिल किया है और उससे आपको आमदनी हो रही है तो इस सेक्शन के तहत आप उस पर छूट हासिल कर सकते हैं। इसमें भी छूट की अधिकतम सीमा 300000 रुपये ही है।

धारा 80टीटीए : बचत बैंक खाते से ब्याज

बैंकिंग कंपनी, डाकघर या बैंकिंग के कारोबार में लगी सहकारी समिति के साथ बचत बैंक खाते से प्राप्त ब्याज आय के संबंध में इस कटौती का दावा 10,000 रुपये तक किया जा सकता है। इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि इतनी आमदनी कर से मुक्त है, आपको अपने रिटर्न में इसे अन्य स्रोतों से प्राप्त आमदनी के रूप में दिखाना पड़ेगा और सेक्शन 80 टीटीए के तहत कर छूट का

दावा करना पड़ेगा।

धारा 80टीटीबी : वरिष्ठ नागरिकों के मामले में जमा राशि से ब्याज

इस कटौती का दावा एक वरिष्ठ नागरिक बैंक या डाकघर या सहकारी बैंक में जमा से प्राप्त ब्याज आय के संबंध में 50,000 रुपये तक कर सकता है।

धारा 54 : आवासीय घर की बिक्री पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ

यह छूट एक ऐसे व्यक्ति या एचयूएफ (हिंदू अभिवाजित परिवार) के लिए उपलब्ध है, जिसे एक आवासीय घर की बिक्री पर लाभ होता है (जो निर्धारित के पास 24 महीने से अधिक समय तक रहता है) और बिक्री की तारीख से एक साल पहले या उसके दो साल बाद उस लाभ से एक नया आवासीय घर खरीदता है।

धारा 54ईसी : भूमि, भवन या दोनों की बिक्री पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ

यह छूट लंबी अवधि की पूंजीगत संपत्ति यानी भूमि या भवन या दोनों की बिक्री से होने वाले लाभ पर उपलब्ध है और उस लाभ को केंद्र सरकार द्वारा मूल संपत्ति की बिक्री की तारीख से 6 महीने के भीतर NHAI या REC या अन्य निर्दिष्ट बॉन्ड में निवेश किया जाता है। इस धारा के तहत अनुमत अधिकतम छूट 50 लाख रुपये है।

धारा 54एफ : आवासीय घर के अलावा किसी अन्य पूंजीगत संपत्ति की बिक्री पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ

यह छूट एक ऐसे व्यक्ति या एचयूएफ (हिंदू अभिवाजित परिवार) के लिए उपलब्ध है, जिसे आवासीय घर के अलावा किसी अन्य पूंजीगत संपत्ति की बिक्री पर लाभ होता है (जो निर्धारित द्वारा 24 महीने से अधिक समय तक रखा जाता है) और उस लाभ से एक वर्ष के भीतर एक नया आवासीय घर खरीदता है या बिक्री या मूल घर की बिक्री की तारीख के दो साल बाद या मूल घर की बिक्री की तारीख से 3 साल के भीतर एक नया घर बनाता है।

वरिष्ठ प्रबंधक

ऑंचलिक कार्यालय – गुरुग्राम

BRANCH MANAGERS' REVIEW



Branch Manager Review Meeting was conducted by Dehradun Zone on 4th March 2022 in the presence of our Respected General Manager Sh. Ravi Mehra. GM sir also visited some branches of Dehradun Zone and motivated the staff member to achieve the target with positive attitude.



Zonal Office Patiala Review Meeting held on 5th March 2022 of Branch Managers by Field General Manager Sh. Parveen Kumar.

MEETINGS BY GM MENTORS



बैंक के महाप्रबंधक श्री विनय कुमार मेहरोत्रा जी की अध्यक्षता में दिनांक 8 मार्च 2022 को आंचलिक कार्यालय लखनऊ द्वारा अंचल में पदस्थ शाखा प्रबंधकों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।



दिनांक 04.03.2022 को पंजाब एण्ड सिंध बैंक, आंचलिक कार्यालय भोपाल द्वारा शाखाओं की समीक्षा बैठक का आयोजन होटल कोर्टयार्ड मैरिेट में किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता माननीय महाप्रबंधक महोदय श्री गोपाल कृष्ण जी द्वारा एवं आंचलिक प्रबंधक महोदय श्री मनोज सिंह जी, सहायक महाप्रबंधक महोदय श्री मिलिंद बुचके जी के सहयोग से की गई। बैठक में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के शाखा प्रभारी उपस्थित थे। वित्तीय वर्ष 2021-22 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शाखा प्रभारियों को पुरस्कृत कर के किया गया।

Bank has been declared 2nd Runner Up in Doorstep Banking Service-Udaan Campaign (01.02.2022 to 02.03.2022) organized by PSB Alliance Pvt. Ltd. among (all 12 PSBs)



Punjab and Sind Bank makes a turnaround with a Net Profit of Rs.1039 Cr (FY) against a Net Loss of Rs. 2733 Cr (Y-o-Y). Highest ever Annual Net Profit of the Bank.

Performance Highlights for the quarter ended 31st March, 2022 (Y-o-Y)

- ◆ **Operating Profit increases to Rs.317 Cr during Q4 FY22, with Y-o-Y growth of 72.28%.**
- ◆ **Return on Assets (ROA) improves to 1.10%, improvement of 55 bps.**
- ◆ **Cost of Deposit (COD) is at 4.17%, improves by 42 bps.**
- ◆ **Net Interest Margin (NIM) improves to 2.90% in Q4 FY22 from 2.19% in Q4 FY21.**
- ◆ **CASA Deposit improves by 100 bps and reaches a level of 33.81%.**
- ◆ **RAM (Retail, Agriculture and MSME) advance grows by 10.45%.**
- ◆ **GNPA ratio reduces by 159 bps to 12.17% in March 22 from 13.76% in March 21.**
- ◆ **NNPA ratio improves by 130 bps to 2.74% in March 22 from 4.04% in March 21.**

PERFORMANCE OF THE

| S. No. | Zone | Total Deposit | | | Gross Advances | | | CASA Deposits | | |
|--------------|-------------|---------------|---------------|---------------|----------------|--------------|--------------|---------------|--------------|--------------|
| | | Mar-21 | Mar-22 | | Mar-21 | Mar-22 | | Mar-21 | Mar-22 | |
| | | | Target | Actual | | Target | Actual | | Target | Actual |
| 1 | Amritsar | 5203 | 5860 | 5236 | 1766 | 2500 | 1861 | 2056 | 2465 | 2271 |
| 2 | Bareilly | 1843 | 2410 | 1750 | 1627 | 2200 | 1795 | 1071 | 1300 | 1140 |
| 3 | Bhatinda | 1464 | 2025 | 1650 | 1354 | 1700 | 1421 | 686 | 910 | 842 |
| 4 | Bhopal | 2548 | 3110 | 2516 | 1241 | 1800 | 1296 | 810 | 1050 | 861 |
| 5 | Chennai | 1258 | 1650 | 1275 | 1987 | 2550 | 2547 | 257 | 510 | 272 |
| 6 | Dehradun | 2547 | 3000 | 2625 | 1050 | 1275 | 1183 | 1178 | 1365 | 1290 |
| 7 | Delhi-I | 11167 | 12400 | 10130 | 10470 | 12250 | 9612 | 1789 | 2110 | 2134 |
| 8 | Delhi-II | 7822 | 8700 | 7573 | 1727 | 2700 | 1958 | 2661 | 3060 | 2735 |
| 9 | DRB of FGMO | 9788 | 11310 | 11001 | 3816 | 4800 | 4266 | 3413 | 4070 | 4200 |
| 10 | Faridkot | 2812 | 3665 | 2938 | 1661 | 2100 | 1723 | 1299 | 1610 | 1405 |
| 11 | Gandhinagar | 624 | 1020 | 838 | 1002 | 1300 | 961 | 151 | 315 | 167 |
| 12 | Gurdaspur | 3087 | 3925 | 3292 | 1229 | 1700 | 1324 | 1396 | 1700 | 1559 |
| 13 | Gurugram | 2079 | 2600 | 2151 | 1209 | 1800 | 1324 | 844 | 1075 | 994 |
| 14 | Guwahati | 1286 | 1650 | 1438 | 279 | 325 | 326 | 634 | 800 | 863 |
| 15 | Hoshiarpur | 3010 | 3700 | 3260 | 759 | 1000 | 848 | 1284 | 1495 | 1420 |
| 16 | Jaipur | 2046 | 2450 | 1823 | 1897 | 2450 | 2238 | 618 | 815 | 661 |
| 17 | Jalandhar | 5480 | 6500 | 5801 | 1127 | 1550 | 1289 | 2115 | 2485 | 2348 |
| 18 | Kolkata | 3880 | 4510 | 4053 | 4217 | 5400 | 3073 | 1228 | 1525 | 1398 |
| 19 | Lucknow | 3684 | 4400 | 3670 | 1866 | 2500 | 2156 | 1418 | 1740 | 1592 |
| 20 | Ludhiana | 3916 | 4740 | 4109 | 2163 | 2625 | 2316 | 1650 | 1990 | 1836 |
| 21 | Mumbai | 12420 | 13125 | 15052 | 9498 | 11300 | 10140 | 605 | 1030 | 757 |
| 22 | Noida | 3015 | 3500 | 3192 | 985 | 1375 | 1034 | 1386 | 1675 | 1518 |
| 23 | Patiala | 3292 | 3950 | 3505 | 1826 | 2300 | 2313 | 1272 | 1565 | 1377 |
| 24 | Vijayawada | 1794 | 2300 | 3258 | 7840 | 9300 | 8227 | 371 | 540 | 491 |
| 25 | SAMVert | 0 | 0 | 0 | 5216 | 4700 | 6215 | 0 | 0 | 0 |
| TOTAL | | 96108 | 112500 | 102138 | 67811 | 83500 | 71445 | 30191 | 37200 | 34129 |

ZONE AS ON 31.03.2022

| S. No. | Zone | Retail Credit | | | Agriculture Credit | | | MSME Credit | | | NPA | | |
|--------------|-------------|---------------|--------------|--------------|--------------------|--------------|--------------|--------------|--------------|--------------|-------------|-------------|-------------|
| | | Mar-21 | Mar-22 | | Mar-21 | Mar-22 | | Mar-21 | Mar-22 | | Mar-21 | Mar-22 | |
| | | | Target | Actual | | Target | Actual | | Target | Actual | | Target | Actual |
| 1 | Amritsar | 834 | 1020 | 861 | 844 | 1100 | 888 | 375 | 540 | 390 | 193 | 139 | 196 |
| 2 | Bareilly | 594 | 710 | 689 | 1054 | 1295 | 1145 | 321 | 430 | 373 | 186 | 140 | 208 |
| 3 | Bhatinda | 402 | 500 | 458 | 982 | 1235 | 985 | 171 | 250 | 180 | 69 | 49 | 62 |
| 4 | Bhopal | 792 | 925 | 765 | 187 | 245 | 172 | 642 | 930 | 669 | 192 | 101 | 150 |
| 5 | Chennai | 843 | 1020 | 871 | 8 | 60 | 33 | 436 | 590 | 435 | 168 | 122 | 138 |
| 6 | Dehradun | 569 | 670 | 660 | 410 | 485 | 413 | 293 | 365 | 331 | 82 | 56 | 77 |
| 7 | Delhi-I | 1054 | 1240 | 1096 | 31 | 105 | 38 | 1039 | 1365 | 1285 | 816 | 336 | 257 |
| 8 | Delhi-II | 1062 | 1280 | 1076 | 125 | 225 | 75 | 781 | 1290 | 721 | 132 | 97 | 84 |
| 9 | DRB of FGMO | 1733 | 2100 | 2037 | 1151 | 1500 | 1149 | 1088 | 1480 | 1237 | 499 | 402 | 446 |
| 10 | Faridkot | 555 | 650 | 601 | 1233 | 1435 | 1212 | 214 | 350 | 243 | 102 | 75 | 109 |
| 11 | Gandhinagar | 428 | 530 | 484 | 46 | 65 | 57 | 241 | 310 | 286 | 28 | 18 | 50 |
| 12 | Gurdaspur | 528 | 645 | 560 | 636 | 800 | 678 | 291 | 470 | 303 | 165 | 128 | 163 |
| 13 | Gurugram | 944 | 1140 | 1025 | 185 | 250 | 201 | 429 | 600 | 460 | 118 | 83 | 106 |
| 14 | Guwahati | 227 | 260 | 258 | 9 | 30 | 10 | 126 | 150 | 156 | 29 | 22 | 28 |
| 15 | Hoshiarpur | 253 | 340 | 325 | 495 | 650 | 509 | 99 | 145 | 149 | 66 | 51 | 58 |
| 16 | Jaipur | 916 | 1070 | 992 | 679 | 815 | 719 | 565 | 765 | 589 | 112 | 83 | 111 |
| 17 | Jalandhar | 702 | 850 | 826 | 314 | 400 | 348 | 394 | 575 | 424 | 89 | 49 | 94 |
| 18 | Kolkata | 1241 | 1510 | 1359 | 156 | 225 | 141 | 841 | 1175 | 976 | 283 | 211 | 251 |
| 19 | Lucknow | 1222 | 1490 | 1372 | 212 | 260 | 227 | 733 | 940 | 840 | 196 | 158 | 186 |
| 20 | Ludhiana | 855 | 1040 | 933 | 606 | 750 | 626 | 719 | 960 | 746 | 262 | 203 | 242 |
| 21 | Mumbai | 744 | 945 | 773 | 38 | 90 | 36 | 414 | 630 | 750 | 93 | 67 | 73 |
| 22 | Noida | 793 | 975 | 815 | 161 | 200 | 158 | 265 | 400 | 299 | 75 | 49 | 93 |
| 23 | Patiala | 643 | 800 | 724 | 1042 | 1225 | 1097 | 289 | 410 | 290 | 127 | 97 | 118 |
| 24 | Vijayawada | 635 | 790 | 771 | 33 | 55 | 49 | 283 | 380 | 366 | 50 | 39 | 50 |
| 25 | SAMVert | | | | | | | | | | 5204 | 4559 | 5217 |
| TOTAL | | 18583 | 22500 | 20331 | 10638 | 13500 | 10967 | 11497 | 15500 | 13061 | 9334 | 7335 | 8565 |

बैंकों में अग्नि संरक्षा प्रबंधन



अमित मोहन अस्थाना

प्रतिवर्ष बैंक के किसी न किसी अंचल से अग्नि संबंधी घटना की जानकारी हो ही जाती है। इसमें हानि यद्यपि कम हो पर इस तरह की घटनाएं बैंक की छवि व कर्मचारियों और ग्राहकों के मन में नकरात्मक प्रभाव अवश्य डालती है। ऐसी किसी भी घटना को रोकने के उपायों व उपकरणों की समुचित जानकारी, मूल स्तर पर होना अति आवश्यक है। सामान्यतः शाखा व कार्यालय स्तर पर परस्पर संवाद में ज्ञात किया गया है कि ऐसी घटनाओं का मूल कारण व निवारण हेतु उपकरणों का संचालन इत्यादि विषयों पर जानकारी लगभग नगण्य है।



कर्मचारी यह नहीं जानते कि अग्निशामक कितने प्रकार के होते हैं व कौन सा अग्निशामक किस परिस्थिति व अग्नि के प्रकार के लिए उचित है। इसकी जानकारी मूलभूत है क्योंकि गलत अग्निशामक का प्रयोग प्रभावहीन, नकसानदायक हो सकता है व शारीरिक क्षति भी पहुंचा सकता है। कोई अग्नि अपने छोटे रूप में कब विकराल हो जाती है यह जानना कठिन है व इससे संपार्श्विक हानि बड़े स्तर पर हो सकती है। लेखन पत्रों, कागजात इत्यादि की क्षति व कार्य-समय को नष्ट कर सकती है। अग्नि संबंधित घटनाओं का, उचित प्रबंधन व रोकथाम, सुरक्षा उपकरणों की देखभाल, अग्निस्त्रोतों का नियंत्रण कर कम या पूर्ण समाप्त किया जा सकता है। अग्नि से बचाव व इसका प्रबंधन किसी एक की जिम्मेदारी न होकर सभी का सामूहिक दायित्व है। इसमें शाखा प्रबंधक या कार्यालय प्रमुख व कर्मचारी तथा परिसर का मालिक शामिल है।

इसे हम निम्न भागों में बांट सकते हैं:

1. अग्नि संरक्षा संबंधित जानकारी
2. अग्नि संरक्षा उपकरण
3. निवारण व सावधानियां

अग्नि संरक्षा संबंधित जानकारी : – यह अत्यंत आवश्यक है कि संबंधित कर्मचारी अग्नि के संभावित प्रभाव को जानते हों व इसके प्रति जागरूक रहे। समय-समय पर शाखा/कार्यालय का निरीक्षण

मुखिया या प्रभारी करे व इसके लिए मात्र सुरक्षा विभाग या सुरक्षा अधिकारी पर ही निर्भर न रहे। स्थानीय अग्निशामन केंद्र में संपर्क कर प्रशिक्षण भी करवाया जाए व समस्त कर्मचारियों को बैठक के दौरान अग्नि संरक्षा पर चर्चा अवश्य की जाए।

अग्नि शामक उपकरण : – मुख्यतः चार प्रकार के होते हैं।

1. CO₂ प्रकार – विद्युतीय अग्नि के लिए उपयोगी
2. ABC प्रकार – ठोस, तरल, विद्युतीय अग्नि के लिए उपयोगी
3. मॉड्यूलर प्रकार – यह स्वचलित अग्निशामक क्वच (क्वल बिमउपबंस चवुकमत) आधारित है जो यूपीएस/इलेक्ट्रिक पैनल के ऊपर लगाया जाता है व अग्नि को स्वतः ही बुझाता है।
4. वाटर टाइप : – यह ठोस पदार्थों पर प्रभावी है परंतु विद्युत-अग्नि पर इसका उपयोग वर्जित है।

इसके साथ ही बैंक परिसर में फायर अलार्म, स्मोक डिटेक्टर व हाइड्रेंट भी स्थापित रहते हैं।

निवारण व सावधानियां रू – सर्वप्रथम यह जानना आवश्यक है अग्नि के लिए तीन कारक हो सकते हैं।

1. उच्च ताप
2. ईंधन

3. ऑक्सिजन

इन तीनों में से किसी एक की अनुपस्थिति अग्नि को समाप्त कर देती है। परंपरागत अग्नि निवारण के तरीके आग की उत्पत्ति को रोकने पर केंद्रित रहते हैं। यह भी पाया गया है कि अग्नि का प्रमुख कारण शॉर्ट सर्किट होता है। इसलिए ज्वलनशील सामग्री को पैनल/जंक्शन बोर्ड/विद्युत उपकरणीय केंद्रों से दूर रखें। यूपीएस को उचित वायु संचार के स्थान पर व साफ स्थान/कमरों में स्थापित किया जाना चाहिए।

एयर कंडीशनर का समयबद्ध रखरखाव होना चाहिए। कार्यालय परिसर के विद्युत सर्किट में संरक्षा उपकरण, उच्च गुणवत्ता को सदैव चालू हालत में होने चाहिए। समस्त विद्युत तार निर्धारित रेटिंग को कंड्यूट पाइप के अंदर होने चाहिए व खुले/लटकते हुए नहीं होने चाहिए। विद्युत व प्रकाश उपकरणों को कार्यालय/शाखा बंद करते समय व्यक्तिगत रूप से जांचना चाहिए कि वे बंद कर दिए गए हैं अथवा नहीं।

विद्युत तार की उचित जांच करवानी चाहिए व बैंक द्वारा निर्धारित विद्युत लेखा नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। विद्युत उपकरणों व संस्थापनाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित होनी चाहिए व खराब उपकरणों/तारों/संरक्षा-युक्तियों को तत्काल प्रभाव से बदल देना चाहिए।

प्रधान कार्यालय सुरक्षा विभाग इस संदर्भ में समय-समय पर दिशानिर्देश जारी करता है, उनका अनुपालन निश्चित रूप से अग्नि संबंधी दुर्घटनाओं को प्रभावी तरह से काम कर सकता है। सभी शाखाएं व कार्यालय निम्न निर्देशों का पालन करने में कोई कोताही न बरते।

- ◆ अलमीरा/अलमारियां/तिजोरी जिनमें महत्वपूर्ण उपयोग की जानकारी हो, उन्हें आग लगने की स्थिति में सबसे पहले निकालें के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए।
- ◆ यदि कमरे में आग और घना धुंआ है तो फर्श पर लेट जाएं और फिर बाहर निकलने/सुरक्षा के स्थान पर रेंगें।
- ◆ हमेशा सीढ़ी का प्रयोग करें। बचने या निकासी के लिए लिफ्ट का उपयोग न करें।

- ◆ यदि कोई व्यक्ति आग की चपेट में आ जाता है तो बुझाने के लिए कंबल/भारी कपड़े, पर्दे या जीवन रक्षक उपकरण का उपयोग करें।
- ◆ फायर ब्रिगेड स्टाफ की सहायता और मार्गदर्शन करें क्योंकि आप इंटीरियर को जानते हैं।
- ◆ उस कमरे की खिड़कीधरवाजे को न खोलें जहां बड़ी आग सुलग या जल रही हो।
- ◆ आग लगने के बाद सुरक्षा कर्मचारियों को बैंक, रिकॉर्ड्स/संपत्ति तक अनधिकृत पहुंच को रोकना चाहिए।
- ◆ हर दुर्घटना आपको सीखने के लिए एक सबक देती है। आग के कारणों की जांच करें और भविष्य में अपनी ताकत के लिए इसका इस्तेमाल करें।
- ◆ अग्निशामक यंत्रों को फिर से भरने की व्यवस्था, बीमा दावे और अग्नि-मामले में सलाह नियंत्रण प्राधिकरण के मार्गदर्शन में की जानी चाहिए।
- ◆ प्रभावी अग्नि नियंत्रण योजना के लिए यह सलाह दी जाती है कि नियमित रूप से मॉक ड्रिल आयोजित की जाए ताकि कर्मचारीध्टीम के सदस्य आग लगने की स्थिति में उनके द्वारा किए जाने वाले कार्य से पूरी तरह अवगत रहें।

सभी आपातकाल मौजूद हैं को मोटे तौर पर लाल रंग से इमरजेंसी एक्जिट/के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए

काम के घंटों के दौरान अग्नि संरक्षा:

काम के घंटों के दौरान होने वाली आग की किसी भी घटना से निपटने के लिए निम्नलिखित कार्रवाई की जानी चाहिए: –

- क) कोई भी व्यक्ति जो धुंआ या आग देखता है, उसे फायर, फायर, फायर या आग, आग चिल्लाकर अलार्म बजाना चाहिए और यदि प्रदान किया गया हो तो उसे फायर अलार्म का उपयोग करना चाहिए।
- ख) उस स्थान पर जाना चाहिए जहां आग लगी है और आग के कारणों का पता लगाना चाहिए, अर्थात् चाहे वह कार्बनयुक्त हो



या विद्युत और सही प्रकार के अग्निशामक का उपयोग करके आग को बुझाने और बुझाने का प्रयास करना चाहिए।

- ग) स्टाफ के एक सदस्य को फायर ब्रिगेड और पुलिस स्टेशन व पुलिस नियंत्रण कक्ष को सूचित करना चाहिए।
- घ) बिजली के मुख्य स्विच को बंद कर देना चाहिए।
- च) उपस्थित वरिष्ठतम व्यक्ति दमकल के आने तक उचित तरीके से अग्निशमन की व्यवस्था संभाले।
- छ) स्ट्रांग रूम/ध्वंसक रूम, लॉकर रूम अगर खुला है तो बंद और बंद होना चाहिए।
- ज) सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों को हटा दिया जाना चाहिए व स्ट्रांग रूम में या आग प्रतिरोधी तिजोरी में रखा जाना चाहिए (यदि प्रदान किया गया हो)।
- झ) सभी ज्वलनशील पदार्थों को आग के आसपास से हटा दिया जाना चाहिए।
- ण) बिजली से आग लगने की स्थिति में जल-जेट प्रकार के अग्निशामक यंत्रों का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। हालाँकि, इनका उपयोग मुख्य सप्लाई के बंद होने के बाद किया जा सकता है। आग के प्रकार के आधार पर अग्निशामक यंत्रों का उपयोग किया जाना चाहिए।
- त) जिन व्यक्तियों की अग्निशमन के लिए आवश्यकता नहीं है, उन्हें शारीरिक रूप से विकलांग और वृद्ध व्यक्ति को प्राथमिकता देते हुए अनुशासित तरीके से निकालने में सहयोग करना चाहिए।
- थ) आग के हताहतों को प्राथमिक उपचार प्रदान किया जाना चाहिए और यदि आवश्यक हो, घायल व्यक्ति (व्यक्तियों) को अस्पताल ले जाया जाना चाहिए।
- द) आग पर काबू पाने और बुझ जाने के बाद, बैंक की संपत्ति के निस्तारण की व्यवस्था की जानी चाहिए।
- ध) अग्निशामक ड्रिल के लिए कार्यालय की एस.ओ.पी. बनाई जानी चाहिए और इसे वर्ष में एक बार आयोजित किया जाना चाहिए।

गैर-कार्य घंटों के दौरान अग्निशमन व संरक्षा:

गैर-कार्य घंटों के दौरान आग से निपटने के लिए निम्नलिखित कार्यवाही की जानी चाहिए: -

- क) गार्ड/चौकीदार/कोई अन्य व्यक्ति जो धुआं या आग देख रहा है, उसे फायर, फायर, फायर या आग-आग चिल्लाकर अलार्म बजाना चाहिए और यदि प्रदान किया गया हो तो फायर अलार्म को संचालित करना चाहिए।
- ख) उसे आग के स्थान पर जाना चाहिए, आग के कारणों का पता लगाना चाहिए और सही प्रकार के अग्निशामक का उपयोग

करके आग को बुझाने और बुझाने का प्रयास करना चाहिए।

- ग) फायर ब्रिगेड को तुरंत सूचित किया जाना चाहिए।
- घ) मेन और गैस कनेक्शन (यदि कोई है तो) को बंद कर देना चाहिए।
- ई) शाखा प्रबंधक/धुरक्षा अधिकारी/धुलिस स्टेशन को सूचित किया जाना चाहिए।
- च) सभी ज्वलनशील पदार्थों को आग के आसपास से हटा दिया जाना चाहिए।
- छ) बिजली में आग लगने की स्थिति में वाटर जेट या सोडा एसिड प्रकार के अग्निशामक यंत्रों का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। हालाँकि, इनका उपयोग मुख्य सप्लाई के बंद होने के बाद किया जा सकता है।

उपरोक्त कुछ जानकारियों को आत्मसात् कर के हम साथ मिलकर अग्नि संबंधित घटनाओं पर पूर्ण विराम लगाएं व एक संरक्षित व सुरक्षित परिवेश की स्थापना का संकल्प लें।

वरिष्ठ प्रबंधक (तकनीकी)
एस.टी.सी., राहिणी

Mama, why am I not being able to do large value transactions with my card?

Guddi, I have set transaction limit on your card!

RBI Khabta Hai... Go Digital, Go Secure

Set limit on your card and save yourself from big losses.

- By setting limit on your card, the risk of loss is reduced
- Stay protected from unauthorized and fraudulent transactions

For more details, visit www.rbi.org.in
For feedback, write to rbi.khabtahai@rbi.org.in

Reserve Bank of India
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

International woman's Day and Girl Child Day is Celebrated in different zones and branches of the Bank



Zonal Office Bhopal



Zonal Office Kolkata



Zonal Office Gurugram



Zonal Office Ludhiana



Zonal Office Faridkot

प्रधान कार्यालय में

प्रधान कार्यालय में दिनांक 08.03.2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। यह हुआ, जिसमें कार्यकारी निदेशक डॉ. रामजस यादव, श्री कोल्लेगाल वी राघवेन्द्र, मुख्य राजभाषा अधिकारी रहे। इस दौरान कई गतिविधियों का आयोजन किया गया।



अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

कार्यक्रम बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री एस. कृष्णन जी की अध्यक्षता में संपन्न श्री कामेश्वर सेठी, महाप्रबंधक श्री गोपाल कृष्ण सहित अन्य महाप्रबंधक एवं उच्चाधिकारीगण भी उपस्थित



Zonal Managers' Conference



A Zonal Managers' Conference was held on 07th & 08th November, 2021 to review the performance of zones viz-a-viz Targets and their preparedness in achieving the targets for quarter ending December' 2021.

The focused areas of the conference were mobilization of low-cost deposit, RAM Credit, ECLGS Scheme, Recovery in NPA & TWO Accounts, Prevention of fresh slippage into NPA category, reduction in SMAs, effective Compliance/ Internal Control.

The conference was chaired by MD & CEO in presence of Executive Director(s), General Manager(s), Dy. General Manager(s) holding independent charge and all the Zonal Managers excluding Zonal Manager Bareilly and Lucknow, who joined on the 2nd day of the conference.

Meeting with Staff Union



ED Sir, Sh. Kollegal V Raghavendra, addressed the office bearers of All India Punjab & Sind Bank Staff Association on 08.02.2022 in the Board Room. ED Sir, shared his views on the performance of the bank in the past quarter and shared the vision of bank's management on the path that lies ahead. He specifically stressed on the importance of contribution of each and every staff member irrespective of designation in the growth and development of the bank. He also shared news on the technology up-gradation exercises being undertaken by the bank currently and in near future.

CRYPTO-A NEW DYNAMICS OF MONETARY MARKET



Vikas Singh

Threats & Opportunities

Cryptocurrency

A cryptocurrency is a virtual or digital money that is in the form of tokens or “coins.” The “crypto” in cryptocurrencies is the complicated cryptography that allows for creating and processing digital currencies and their transactions through decentralized systems. Cryptocurrencies are usually developed as code by teams who build issuance mechanisms through mining and other controls.

At over \$2-3 trillion dollars of valuation, the global cryptocurrency market is nearly as big as the size of the entire Indian economy. Meanwhile, the volume of cryptocurrency transactions in India has increased steadily over the last few years. \$10 billion of new crypto investments have been made in India just in the last year.

Widely used Cryptocurrencies:

As of now, there are more than 10,000 cryptocurrencies in existence. Although many of these cryptos have minimal trading volume, some enjoy immense popularity among dedicated communities of traders. Widely used Cryptocurrencies are:

1. Bitcoin (BTC)

Bitcoin is considered the first decentralized cryptocurrency that used block-chain technology to facilitate payments and digital transactions.

Instead of using a central bank of a country to control money's supply in an economy, Bitcoin's block-chain acts as a public ledger of all transactions. This can make money transfers between parties in two different countries faster and cheaper than traditional currency exchanges involving a third-party institution.



2. Ethereum (ETH)

The second most popular cryptocurrency is Ethereum (ETH) which is a decentralized software platform enabling smart contracts and decentralized applications that run without any downtime, fraud or interference from a third party.

3. Binance Coin (BNB)

This coin runs on the Ethereum block-chain limited to a maximum of 200 million BNB tokens. This coin helps in boosting the operation of the Binance exchange and supports various utilities such as trading fees, exchanges fees and any other fees on the Binance exchange.

4. Cardano (ADA)

Cardano (ADA) is a cryptocurrency that was created with a research-based approach by many engineers, mathematicians, and cryptography experts. Because of its complicated process, Cardano stands out among its peers as well as other large cryptocurrencies. Cardano is sometimes referred to as “Ethereum killer” because its block-chain is more capable than other cryptocurrencies.

5. Dogecoin (DOGE)

Initially made for speculation on cryptocurrencies, the value of Dogecoin has skyrocketed in value. Dogecoin makes it easier for payments to be recorded, but it also has no limit on how many coins can be created over time, unlike Bitcoin, which was made with a cap on how many coins there can be.

6. Tether (USDT)

Tether is also referred to as a stablecoin, a currency that is tied to a fiat currency i.e. the U.S. dollar. This coin combines the advantages of a cryptocurrency, like no need for financial intermediaries, with the stability of a currency that a sovereign government issues.

7. Ripple (XRP)

Ripple is a kind of cryptocurrency that operates on an open-source and peer-to-peer decentralized platform. This allows for a seamless transfer of money, be it any form such as dollars, yen, euros, or cryptocurrencies such as litecoin or bitcoin. Ripple is a global payments network that counts major banks and financial services as the customers. XRP is used in its products for facilitating fast conversion between different currencies.

8. Polkadot (DOT)

Polkadot (DOT) is a unique cryptocurrency that is aimed at delivering interoperability among other blockchains. It is designed so that it connects permissioned blockchains and oracles for allowing systems to work together under one roof. Polkadot's core component is its relay chain that allows the interoperability of varying networks.

9. Monero (XMR)

Monero XMR is another type of secure and untraceable currency. This cryptocurrency was launched in April 2014 and soon garnered great attraction among the cryptography community.

Indian Crypto Exchanges:

Currently there are around 25-30 Indian crypto exchanges,



all almost offering similar services and backed by similar technology. Government regulations could mean that only a few players may be allowed to operate. For crypto players in India, the months between now and the possible enactment of a law is like a no man's land.

Issues for the Government in Regulating the Cryptocurrency:

Cryptos are viewed differently by different sections of Indian Society. For India versed with technology, flush with disposable income, and an appetite for risk, cryptos represent a significant opportunity for speculative investment. On the other hand, for the India looking to invest its hard-earned income into assets that will help them beat inflation and allow them to save for the next major life event, they can be excessively volatile vehicles prone to lose and fraud. The government is caught in a bind between the two Indians, neither of which it can afford to ignore.

Concerns while regulating the Cryptocurrency:

1. Cryptos are available for trading on foreign exchanges, posing serious concerns over the anonymity of transactions.
2. The macroeconomic and financial stability of the country is at risk.
3. Unlike banks that have to immediately report high-valued transfers and abnormal flows in a bank account to the Financial Intelligence Unit (FIU) as an anti-money laundering system, crypto exchanges have no such reporting mechanism.

4. Volatility.
5. Illegal asset transfer.
6. Money laundering.
7. Ineffective implementation of government programs and mis-targeted policies and planning.
8. Lack of a sovereign guarantee makes it difficult to provide insurance against fraud.
9. The dynamic nature of digital currencies, valuation and determination of the place of supply of the cryptocurrency pose a serious challenge.
10. One of the opaque areas in the crypto world is the movement of coins to and from private wallets, and from one private wallet to another through peer-to-peer transactions.

Government should have a more nuanced approach to deal with cryptos:

1. India cannot ignore a potentially vast source of revenue that cryptos represent.
2. Heavy-handed approaches such as bans are largely ineffective for cryptos due to their decentralized nature. When China banned cryptocurrencies in 2017, the transactions simply moved to exchanges elsewhere (especially Hong Kong and Japan) and became more difficult to regulate.
3. Blockchain and smart contracts- the underlying technologies behind cryptocurrencies – have immense potential even beyond decentralised banking and financial services, with applications in insurance, real estate, health records, logistics and supply chain tracking, Internet of Things (IoT) and data storage. A thriving crypto ecosystem will promote investment into these technologies and applications.

Cryptocurrency Regulation should cover the Following aspects:

1. Public education about the volatility and non-insurance risks of cryptos.
2. Ads about cryptos should be carefully regulated. To cover costs, cryptocurrency firms should be required

to invest some fraction of their profit into educating potential users and investors about the risks.

3. Another focus area should be detecting and preventing crypto-related crimes, fraud, collusion, and cyber-attacks.
4. Careful and selective regulation to encourage structure, disclosure, and tracking.
5. Cryptos should be taxed as assets. A sale should trigger a capital gains tax. A service purchase should be taxed based on the instantaneous fair market value. Miners, traders, and exchanges should pay corporate income tax.
6. Self-reporting and registration must be required for all involved.
7. Institutions must be required to register within Indian and have clear KYC and record-keeping policies.
8. Banks and financial institutions should not be allowed to hold or trade cryptos.
9. New crypto tokens and ICOs (Initial Crypto Offerings) should be disallowed for now.
10. Banning cryptos may not work as crypto exchanges are located offshore, which makes it easier for an individual to trade in them despite the ban. No individual country could solve this problem on its own given the complex cross-border transactions.

The government has proposed “Crypto-currency and Regulation of Official Digital Currency Bill, 2021 to be placed in the parliament. The proposed bill seeks to create a framework for the creation of an official digital currency to be issued by the RBI. In the Budget 2022; the finance minister announced that tax on cryptocurrency would be charged at 30%. Also, it announced the launch of India’s Central Bank Digital Currency (CBDC) and that the digital rupee would give a big boost to the digital economy.

Cryptocurrencies are likely to stay. A pragmatic approach based on education and regulation may allow exploring their potential while safeguarding the interests of those involved.

Sr. Manager, HO P&D Department

यंग ब्लू हॉकी क्लब द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में पंजाब एंड सिंध बैंक हॉकी अकादमी की शानदार जीत !





S. Srinath

REPLACEMENT

‘THERE IS ALWAYS A REPLACEMENT FOR ANYONE OR ANYTHING’ we have heard this quote many times in our life. We had always thought that one thing will replace another thing; similarly one person will be a replacement for another person. Life is much simpler when these replacements were happening. But have you ever thought of a thing replacing a person in the long run? How it may change the bondage between people? It may sound interesting, but deep down it has a lot of emotional issues.

In this modern era of banking, we are relying on machines for everything. A customer relationship relies on the person who operates those machines in front of them. In bank, we always classify the customer into different types; classification here does not mean the real classification. We at our personal level, classify customers as Friendly, Neutral and Annoying. Saying this, I am pretty sure that you will be now remembering at least two names in each category mentioned above. We often forget that each customer is an experience. The situation makes it either a good experience or a bad one. Most of us fail to realize that it is just an experience and not the person. We should never carry an experience to judge a person. This may be the first step in building customer bondage. The importance of a thing will be realized once it is lost. So before you lose that, grab it. If you are astonished how come the customer bondage will be lost in banking, please travel with me for few more minutes to know how banking will be in the near future?

I was posted in a branch in Mumbai, the place is well known for Bollywood stars. A few famous Bollywood personalities had their accounts earlier in that branch and a very few continue to operate them till now. I always believe that every customer has the right to equality in availing banking services, being an employee of a nationalized bank, it is our



duty to provide good service to each and every customer. In that branch during my initial days of my posting (I was learning to converse in Hindi those times) there was a customer, who is a senior citizen in his 70s, who came to me after being introduced by my colleague (who said to him about my geographical background), asked me, SOWKYAMA? (Which in Tamil means, Are you Fine?), I was very happy to know that he was working in a PSU where he learnt few words from his colleagues from different states. As time passed, he was sharing me about his family, his health etc. whenever he visited the branch or through calls during some enquiry about his accounts.

The beautiful part in banking is the happiness which you get when a customer tells you that he is happy about the

service he is receiving. That happiness also means that the trust towards the bank is getting stronger. This old man was saying that every time when he visited the branch. In general there is an opinion about Senior Citizen customers that they ask a lot of details. Even I was having the same opinion, but this old man made me realize the meaning. I haven't done anything special to him, but he was happy as I was listening to him every time. It was 2020 march when the lockdown was imposed, He was in Pune, he used to call to the branch landline (as there is a mobile network issue inside the branch which is situated in basement) and inquire about me, and if I was not there he would say that he will call later. When my colleagues said that to me, I was surprised, because when I was available he will just ask for account balances and about my well being. It was so astonishing for me know that how a simple listener could impact a person.

When my transfer order came, he was happy that I am going to the place where I wanted. I assured him that he may call me anytime and I will do the maximum possible

service. A few months later, he had called me and said he had lost his father, he was sharing his feelings, and then he inquired about the death claim procedures, and said he was feeling better for sharing his feelings. I assured him that I will take up the matter with branch manager and speed up the process and got it done for him. Though it was not my official responsibility and I could have told him to contact the branch, I was emotionally bonded to do things for him.

A few days later he said that the claims were settled smoothly and he thanked me for what I did. Now, let us think about the future, what if we are replaced by computers as a part of automation? There will be no emotional bondage at all. Only then we will be knowing the worth of conversing with people, sharing their emotions, listening to the queries of customers. Aren't you feeling the void? So it is better to show empathy towards every customer. At the end of the day, a customer's message to you saying that he is happy for the service will give you a great sleep.

Officer - P& D Department



बैंक को दिनांक 08.03.2022 को विज्ञान भवन में प्रदान किए गए
“स्वयं सहायता समूह पर उधार” (SHG)
 हेतु पुरस्कार



Our Bank has won Leadership Capital 4.0 Award. This campaign was organised by DOP for the period from 03rd January – 17 February 2022. The Award was presented on 28th April 2022.



डिजिटल विस्तार के साथ देश में डिजिटल लैंडिंग की संभावनाएं



विभाष कुमार

देश की सरकार पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और उसे प्रोत्साहित करने के लिए कई उपाय कर रही है। 'डिजिटल इंडिया' अभियान के हिस्से के रूप में, भारत सरकार का लक्ष्य भारतीय अर्थव्यवस्था को 'डिजिटल रूप से सशक्त' बनाना है। जिसका मूल उद्देश्य भारतीय अर्थव्यवस्था को 'फेसलेस, पेपरलेस, कैशलेस' बनाना है। देश में डिजिटल भुगतान के विभिन्न प्रकार के कई तरीके उपलब्ध हैं। इनमें से मुख्य रूप से डेबिट/क्रेडिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल वॉलेट, डिजिटल भुगतान ऐप्स, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) सेवा, अनस्ट्रक्चर्ड सप्लीमेंट्री सर्विस डेटा (यूएसएसडी), बैंक प्रीपेड कार्ड, मोबाइल बैंकिंग आदि का उपयोग शामिल है।

देखा जाए तो डिजिटल भुगतान के तरीकों को इस्तेमाल करना अक्सर आसान होता है, अधिक सुविधाजनक होता है और ग्राहकों को कहीं से भी और कभी भी भुगतान करने की सुविधा प्रदान करता है। यह भुगतान के पारंपरिक तरीकों का एक अच्छा विकल्प है और लेन-देन चक्र को तेज गति प्रदान करता है। विमुद्रीकरण के बाद, लोगों ने धीरे-धीरे डिजिटल भुगतान को अपनाना शुरू कर दिया और यहां तक कि छोटे व्यापारियों और दुकान मालिकों ने भी डिजिटल मोड के माध्यम से भुगतान स्वीकार करना शुरू कर दिया।

वर्तमान में, 250 से अधिक बैंक/वित्तीय संस्थाएं लाइव यूपीआई सदस्य हैं, जिसका अर्थ है कि वे यूपीआई का उपयोग करके इंटरबैंक फंड ट्रांसफर की अनुमति देते हैं। 50 से अधिक यूपीआई ऐप्स हैं। आज यूपीआई देश में सबसे बड़ी खुदरा भुगतान प्रणाली है। यूपीआई के प्रारंभिक उद्देश्यों में से एक कम मूल्य के लेनदेन के लिए नकदी को यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन में बदलने के उद्देश्य सफलता से प्राप्त करता दिख रहा है।

इसके साथ ही तत्काल भुगतान सेवा या आईएमपीएस – एनपीसीआई की एक अन्य भुगतान सेवा है। यह राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर या एनईएफटी से काफी तेज काम करता है। आईएमपीएस लेनदेन की मूल्य वृद्धि एनईएफटी की तुलना में लगभग 2.5 गुना अधिक थी। ध्यान रहे कि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देते हुए लगभग दो वर्ष पूर्व से एनईएफटी को सेटलमेंट को 24*7 कर दिया गया है। पिछले 12 महीनों में आईएमपीएस लेनदेन में औसतन 2.48 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि एनईएफटी में 1.01 प्रतिशत की वृद्धि



हुई। आईएमपीएस भुगतान में वृद्धि तेजी से धन हस्तांतरण के लिए बढ़ती स्वीकृति का संकेत देता है। सस्ते इंटरनेट डेटा, स्मार्टफोन की अधिक पहुंच, और भारत के बायोमेट्रिक पहचान पत्र ने मोबाइल प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन भुगतान प्रणाली को तेजी से बढ़ाया है।

अब तो कम कीमत वाले फीचर फोन के लिए यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) शुरू किया गया है। इस कदम के साथ, आरबीआई का लक्ष्य कम से कम 400 मिलियन लोगों को डिजिटल इकोसिस्टम के अंतर्गत लाना है। अब, जिन लोगों के पास स्मार्टफोन नहीं है, वे भी यूपीआई सुविधा का उपयोग करके पैसे ट्रांसफर कर सकेंगे। नई सुविधा 2016 में शुरू की गई असंरचित पूरक सेवा डेटा सेवा की तीसरी पुनरावृत्ति है।

डिजिटल भुगतान के प्रारंभिक माध्यम डेबिट/क्रेडिट कार्ड के द्वारा ऑनलाइन अथवा पीओएस में भी डिजिटल भुगतान की गति में वृद्धि दर्ज की जा रही है।

डिजिटल भुगतान के बाद बारी आती है डिजिटल माध्यम से ऋण आबंटन अर्थात् डिजिटल लैंडिंग की। यू तो डिजिटल भुगतान का इतिहास कोई देश में ज्यादा पुराना नहीं है। तो वही डिजिटल लैंडिंग का इतिहास देश में उससे भी नया है। अभी यह अपने शैशवा की अवस्था में ही है। डिजिटल लैंडिंग की शुरुआत छोटे एवं अल्पकालिक ऋण देकर प्रारंभ हुआ।

हम अक्सर देखते हैं कि किसी सुपर मार्केट/मॉल आदि में जब हम खरीदारी करते हैं तो दुकानदार अथवा वहाँ खड़ा एजेंट खरीदे गए समान के बिल कि राशि को ईएमआई में बदलने की बात करते हैं।



विशेष रूप से क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किए गए खरीदारी के बिल में आपको एक विकल्प यह भी दिया जाता है कि मर्चेंट बिल की किसी भी राशि को ईएमआई में आप स्वतः बदल सकते हैं। कुछ ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा हमें बाय-नाउ-पे-लेटर (बीएनपीएल) का विकल्प दिया जाता है। बाय-नाउ-पे-लेटर भी को भी एक प्रकार डिजिटल लेंडिंग हम मानते है।

बाय-नाउ-पे-लेटर (बीएनपीएल) एक अल्पकालिक माइक्रो क्रेडिट मॉडल है, जहां उपभोक्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन खरीदारी के लिए बहुत कम या बिना ब्याज के भुगतान करना पड़ता है। बीएनपीएल स्टार्ट-अप फूड डिलीवरी कंपनियों, ट्रेवल बुकिंग प्लेयर्स के साथ-साथ किराना और अन्य जरूरी डिलीवरी प्लेटफॉर्म के साथ गठजोड़ कर रहे हैं। वर्तमान में बीएनपीएल का बाजार पूंजीगत +15-20 बिलियन है। अभी खरीदें बाद में भुगतान करें (बीएनपीएल), समान मासिक किस्त (ईएमआई) और खरीद ऋण डिजिटल भुगतान का केवल 5-6% प्रतिनिधित्व करते हैं। सीएलएसए को उम्मीद है कि यह बाजार वित्त वर्ष 2026-27 तक पांच गुना बढ़कर 100 अरब डॉलर या सभी डिजिटल भुगतानों का 10 फीसदी तक पहुंच जाएगा। बीएनपीएल एक आस्थगित भुगतान मॉडल है जिसमें ग्राहक को 14-30 दिनों के बाद राशि चुकानी होती है। ये आम तौर पर कम जोखिम वाले ग्राहकों को भुगतान की सुविधा के लिए पेश किए जाने वाले छोटे-टिकट वाले ऋण होते हैं। दिलचस्प बात यह है कि भारत ई-कॉमर्स खरीद में बीएनपीएल के उपयोग में वैश्विक औसत से आगे है (3% शेर बनाम वैश्विक औसत 2.1%)

सीआईबीआईएल की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में फिनटेक द्वारा 97 प्रतिशत संवितरण का आकार 25,000 रुपये से कम था, जबकि एनबीएफसी/निजी बैंकों के लिए यह क्रमशः 60%/16% था। इसका कारण यह है कि एक सामान्य बीएनपीएल ग्राहक कम उम्र का होता है और कमाई करने की क्षमता कम होती है। दूसरे, ऋण की कम अवधि का तात्पर्य है कि ईएमआई अपेक्षाकृत आरामदायक

रखने के लिए ऋण राशि का आकार छोटा होना चाहिए।

“डिजिटल व्यवहार” के साथ संभावित ऋण खरीदारों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है। वित्तीय सेवा प्रौद्योगिकी समाधानों के अग्रणी वैश्विक प्रदाता फिशर, इंक. के नवीनतम ‘उम्मीदों और उपभोक्ता अनुभव रुझान’ सर्वेक्षण में कहा गया है कि पिछले दो वर्षों में ऋण के लिए आवेदन करने वाले लगभग दो तिहाई लोग आंशिक रूप से या पूरी तरह से ऑनलाइन ऐसा करते हैं। वर्ष 2018 से इसमें उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जा रही है। इस वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा स्मार्टफोन और टैबलेट के बढ़ते एवं उनके उपयोग के कारण है।

ऐसे ग्राहक जिनके पास कुछ वर्षों का कार्य अनुभव है और कोई क्रेडिट इतिहास नहीं है पाते हैं कि उनके ऋण या तो स्वीकृत नहीं होते, या उच्च ब्याज दरों पर मिलते हैं। इसके अलावा, पारंपरिक बैंकों में, छोटे व्यवसायों और कॉर्पोरेट उधार औसत ऋण देने के लिए ‘निर्णय लेने का समय’ तीन से पांच सप्ताह के बीच होता है औसत ‘ऋण करने का समय’ लगभग तीन महीने है। ऐसी चुनौतियाँ उन ग्राहकों के ‘डिजिटल व्यवहार’ के तरफ ले जा रही हैं जो डिजिटल उधार अनुप्रयोगों तक पहुँचने के लिए ऑनलाइन उपकरणों की ओर रुख कर रहे हैं।

अध्ययन किए गए बाजार में उपभोक्ता अपेक्षा और व्यवहार के विकास को बढ़ाने वाला एक प्रमुख कारक बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं के डिजिटलीकरण द्वारा प्रदान किए जाने वाले कई लाभों के कारण बदलती है। ग्राहक विविध पृष्ठभूमि से हो सकते हैं और उन्हें व्यक्तिगत ऋण से लेकर एसएमई वित्त और गृह ऋण सहित कई अन्य उद्देश्यों के लिए ऋण की आवश्यकता हो सकती है।

इसके अलावा, कई तकनीकी प्रगति को अपनाने, जैसे कि स्मार्टफोन को अपनाने के प्रसार ने कई एंड-यूजर वर्टिकल में डिजिटल बैंकिंग को अपनाने में वृद्धि की है। साथ ही, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी तकनीकों से बैंकों को लाभ होता है क्योंकि वे ग्राहकों के बारे में बड़ी मात्रा में जानकारी संरक्षित कर सकते हैं। इसके बाद इस डेटा और जानकारी की तुलना उन उपयुक्त सेवाओं/समाधानों के बारे में परिणाम प्राप्त करने के लिए की जाती है जो ग्राहक चाहते हैं, जिसने ग्राहक संबंधों को विकसित करने में अनिवार्य रूप से सहायता की है।

डिजिटल लेंडिंग मार्केट अभी शैशव अवस्था में है। बाजार मूल्य की दृष्टि से देखे तो यह 2020 में यूएसडी 311.06 बिलियन था और 2026 तक यूएसडी 587.27 बिलियन तक पहुंचने और पूर्वानुमान अवधि (2021-2026) के दौरान लगभग 11.9% का सीएजीआर दर्ज करने की उम्मीद है। बीएफएसआई उद्योग में डिजिटलीकरण को तेजी से अपनाने के कारण उधार परिदृश्य पिछले कुछ वर्षों में काफी बदल गया है। उधार देने का पारंपरिक रूप अभी भी दुनिया के कई हिस्सों में प्रचलित है। हालांकि, डिजिटल समाधान प्रदाताओं

द्वारा प्रदान किए गए लाभ तेजी से उद्यमों में डिजिटल ऋण समाधान और सेवाओं को अपनाने का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

दरअसल, कुछ लोगों की आमदनी कम या अनिश्चित होने पर न तो बैंक से उन्हें ऋण प्राप्त हो पता है और न कोई वित्तीय संस्थान ही उन्हें ऋण देने में उत्साह दिखाता है। अगर कोई बैंक ऋण देने को तैयार हो भी जाता है तो इतने दस्तावेजों और रेफरेंस की शर्त जोड़ देता है जिसे पूरा करना उस उपभोगता के बस में नहीं रहता है। जबकि मोबाइल ऐप के जरिए ऋण देने वाली कंपनियां पैन कार्ड, आधार कार्ड जैसे बेसिक दस्तावेजों और रेफरेंस लेकर कुछ घंटे में ऋण मंजूर कर खाते में पैसे भेज देती हैं।

जैसा कि महानगर एवं बड़े शहरों में रहने वाले लोग अपनी दैनिक आवश्यकताओं की चीजों हेतु डिजिटल कॉमर्स के माध्यम से अपने खर्च का एक बड़ा हिस्सा व्यय करना शुरू कर चुके हैं। कोविड-19 महामारी के कारण एक लंबे समय से चली आ रही प्रवृत्ति बदली है। जिसके कारण नकदी को काफी हद तक विस्थापित कर डिजिटल भुगतान प्रणाली ने ले लिया है।

विशेषज्ञ बताते हैं कि डिजिटलीकरण की गति बढ़ने के साथ, बैंकों द्वारा दिए जाने वाले खुदरा और एमएसएमई ऋणों का लगभग 50 प्रतिशत अगले दो से तीन वर्षों में डिजिटल ऋण प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित हो जाएगा।

डेटा की उपलब्धता और बैंकों के साथ सहयोग करने वाले कई पारिस्थितिक तंत्र भागीदारों के कारण डिजिटल उधार बैंकिंग परिदृश्य को बड़े पैमाने पर बदल रहे हैं।

ऐसी संभावना है कि खुदरा और एमएसएमई ऋण सेगमेंट के तहत कम से कम 50 प्रतिशत ऋण दो से तीन वर्षों में सोर्सिंग से लेकर प्रलेखन स्तर तक, डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्म पर चले जाएंगे, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और मोबाइल ऐप के माध्यम से ऋण देने सहित डिजिटल ऋण देने की प्रक्रिया तेज होगी।

देश में स्मार्टफोन को तेजी से अपनाने, इंटरनेट एक्सेस और भारत में उपभोक्तावाद की ओर बदलाव ने डिजिटल ऋण देने वाले उद्यमों के विकास को बढ़ावा दिया। भारत में वर्तमान में लगभग 1100 ऑनलाइन ऋण देने वाले पोर्टल/ऐप्स हैं जो एक सहज प्रक्रिया के माध्यम से ऋणदाता और लेनदार के बीच के अंतर को कम करने की कोशिश कर रहे हैं।

वर्ष 2016 में डिजिटल लेंडिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (डीएलएआई) के माध्यम से गैर सरकारी संगठन बनाकर डिजिटल लेंडिंग के क्षेत्र में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं सतत विकास के ध्येय से कार्य कर रही है। परंतु इन सबके बाद भी एक नियामक की आवश्यकता है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने 13 जनवरी, 2021 को श्री जयंत कुमार दास, कार्यकारी निदेशक, आरबीआई की अध्यक्षता में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म



और मोबाइल ऐप के माध्यम से ऋण देने सहित डिजिटल उधार पर एक कार्य समूह (डब्ल्यूजी) का गठन किया था। डिजिटल ऋण गतिविधियों में तेजी से उत्पन्न होने वाले व्यावसायिक आचरण और ग्राहक सुरक्षा चिंताओं की पृष्ठभूमि में कार्य समूह की स्थापना की गई थी। डब्ल्यूजी ने अपनी रिपोर्ट जमा कर दी है। रिपोर्ट का जोर ग्राहक सुरक्षा को बढ़ाने और नवाचार को प्रोत्साहित करते हुए डिजिटल उधार पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित और मजबूत बनाने पर रहा है। उनकी (कार्य समूह) प्रमुख अनुशंसाओं का सार निम्नलिखित है:

- ◆ डिजिटल लेंडिंग ऐप्स में सत्यापन प्रक्रिया हितधारकों के परामर्श से स्थापित की जाने वाली नोडल एजेंसी लिए के अधीन होना।
- ◆ डिजिटल ऋण प्रणाली में प्रतिभागियों को शामिल करने हेतु एक स्व-नियामक संगठन (एसआरओ) की स्थापना, किया जाए।
- ◆ अवैध डिजिटल ऋण गतिविधियों को रोकने के लिए एक अलग कानून।
- ◆ कुछ आधारभूत प्रौद्योगिकी मानकों का विकास और डिजिटल ऋण समाधान की पेशकश के लिए पूर्व शर्त के रूप में उन मानकों का अनुपालन।
- ◆ उधारकर्ताओं के बैंक खातों में सीधे ऋणों का संवितरण केवल डिजिटल ऋणदाताओं के बैंक खातों के माध्यम से ऋणों का वितरण और सर्विसिंग।
- ◆ सत्यापन योग्य ऑडिट ट्रेल्स के साथ उधारकर्ताओं की पूर्व और स्पष्ट सहमति के साथ डेटा संग्रह।
- ◆ सभी डेटा भारत में स्थित सर्वरों में संग्रहीत किया जाना है।

- ◆ आवश्यक पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल उधार में उपयोग की जाने वाली एल्गोरिथम सुविधाओं का दस्तावेजीकरण किया जाना है।
- ◆ प्रत्येक डिजिटल ऋणदाता एक मानकीकृत प्रारूप में वार्षिक वृद्धि प्रतिशत दर सहित महत्वपूर्ण तथ्य विवरण प्रदान करेगा।
- ◆ डिजिटल ऋणों के लिए अवांछित वाणिज्यिक संचार का उपयोग प्रस्तावित एसआरओ द्वारा स्थापित की जाने वाली आचार संहिता द्वारा शासित किया जाएगा।
- ◆ प्रस्तावित एसआरओ द्वारा ऋण सेवा प्रदाताओं की 'नकारात्मक सूची' का रखरखाव।
- ◆ आरबीआई के परामर्श से वसूली के लिए मानकीकृत आचार संहिता प्रस्तावित एसआरओ द्वारा तैयार की जाएगी।

ऐप या डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए ऋण देने वालों पर कानूनी

नियंत्रण की तैयारी हो चुकी है। आरबीआई के एक वर्किंग ग्रुप ने एक नोडल एजेंसी बनाने की सिफारिश की है, जो लोन देने वाले ऐप्स की डिजिटल विश्वसनीयता की जांच करेगी। साथ ही वर्किंग ग्रुप ने एक सेल्फ-रेगुलेटरी संगठन बनाने की सिफारिश की है। साथ ही ऐसे कानून लाने को भी कहा है जिससे ऋण देने से जुड़ी गैरकानूनी गतिविधियों पर अंकुश लग सके। डिजिटल ऐप और लेंडिंग प्लेटफॉर्म की ओर से मनमानी और फर्जीवाड़ा किए जाने की बढ़ती शिकायतों के बाद आरबीआई ने इन पर लगाम लेने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

उम्मीद की जा रही है कि नई पेशकश से देश भर में डिजिटल लेंडिंग के माध्यम से उपभोक्ताओं को त्वरित और प्रभावी वित्तीय समाधान प्रदान करने की उम्मीद पूरा होगी। जिसमें उपभोगता के साथ साथ सेवा प्रदाता कंपनियों भी इसे लाभान्वित होगी।

प्रबंधक (राजभाषा)
एस.टी.सी., राहिणी

१६ औं वार्षिक सूची की इज्जत

पंजाब एण्ड सिंध बैंक
(भारत सरकार का उपक्रम)



Punjab & Sind Bank
(A Govt. of India Undertaking)

Where service is a way of life

PSB
VYAPAR LOAN

75
Azadi Ka
Amrit Mahotsav

PSB UniC
P&S & Co. Ltd.

www.punjabandsindbank.co.in

[APPLY NOW](#)

Loan upto
₹ 10 Cr.

Rate of Interest
8.15%*

Repayment Period
upto **10 yrs**

Finance upto
75%
of value of property

1800 419 8300 (Toll Free)

Follow us @PSBIndOfficial

[f](#) [t](#) [in](#) [ig](#) [yt](#)

*T&C Apply *Interest Rate- Linked to Repo Rate

Important Circulars issued by

| Circular No. | Dated | Regarding |
|---|------------|---|
| ACCOUNTS | | |
| 1461/2021-22 | 30.03.2022 | Master Circular on Annual Closing 2021-22 |
| 1455/2021-22 | 29.03.2022 | Certain activities/compliance to be undertaken under GST in respect of FY 2021-22 |
| 1453/2021-22 | 29.03.2022 | Change in system of TDS deduction u/s 194-IA of Income Tax Act, 1961 on the Sale of Property of defaulting borrowers through Auction by the Bank w.e.f 01.04.2022 |
| 1445/2021-22 | 25.03.2022 | Closing of Trading Window in terms of Punjab & Sind Bank Code of Conduct to Regulate, Monitor and Reporting Trading by Insiders |
| 1329/2021-22 | 11.02.2022 | FURNITURE FIXTURE STATEMENT AND RATE OF DEPRECIATION FOR THE YEAR -2021-2022 |
| 1260/2021-22 | 18.01.2022 | Perquisite Valuation on furniture provided by the Bank for the FY 2021-22 |
| CPPC | | |
| 1456/2021-22 | 29.03.2022 | Acceptance of nomination forms of pensioners for Life time arrears (LTA) by branches Download: Nomination Form A, Nomination Form B |
| KYC/AML | | |
| 1221/2021-22 | 03.01.2022 | Periodic updation of KYC restriction on Account Operations for Non-compliance |
| FOREIGN EXCHANGE | | |
| 1261/2021-22 | 19.01.2022 | Active promotion of Gold Card Scheme for Exporters |
| 1381/2021-22 | 03.03.2022 | Master Directions- Reserve Bank of India (Credit Derivatives) Directions, 2022 |
| 1383/2021-22 | 03.03.2022 | Voluntary Retention Route (VRR) for Foreign Portfolio Investors (FPIs) investment in debt |
| 1382/2021-22 | 03.03.2022 | Transactions in Credit Default Swap (CDS) by Foreign Portfolio Investors - Operational Instructions |
| 1435/2021-22 | 22.03.2022 | Liquidation of Pre-Shipment Export Credit |
| HO PLANNING & DEVELOPMENT DEPARTMENT | | |
| 1269/2021-22 | 07.02.2022 | PSB SMART Salary Account for Corporates and Govt. Employees Download: Policy |
| 1278/2021-22 | 28.01.2022 | Doorstep Banking Udaan Campaign from 01.02.2022 to 28.02.2022 |
| 1270/2021-22 | 24.01.2022 | Online facility to customers for registration/modification of e-mandate through NACH portal |
| 1416/2021-22 | 14.03.2022 | Revision/Rationalization of Service Charges in the Bank |
| LAW & RECOVERY | | |
| 1442/2021-22 | 23.03.2022 | PRUDENTIAL NORMS ON INCOME RECOGNITION, ASSET CLASSIFICATION AND PROVISIONING PERTAINING TO ADVANCES |
| 1249/2021-22 | 20.01.2022 | PSB RIN SAMADHAN SCHEME 2022: Special Scheme for One Time Settlement of NPA (Doubtful 2, Doubtful 3 & Loss) & TWO Accounts with Book O/s upto Rs.5.00 Crores |
| 1348/2021-22 | 21.02.2022 | REVIVAL LETTER AND "BALANCE & SECURITY CONFIRMATION LETTER" FOR AGREEMENT BASED NEW SET OF LOAN DOCUMENTS |
| 1364/2021-22 | 23.02.2022 | PSB Saviours: PSB Rin Samadhan Scheme 2022 |
| HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT | | |
| 1236/2021-22 | 07.01.2022 | Preventive Measures For Containing the Spread of Novel Coronavirus (COVID-19) Download: Annexure |
| 1246/2021-22 | 14.01.2022 | Officers(JMGS-I & Above) Due for Retirement During Second Half of The Year 2022(01.07.2022 to 31.12.2022) |
| 1268/2021-22 | 21.01.2022 | CELEBRATION OF 'NATIONAL GIRL CHILD DAY' ON 24.01.2022 UNDER AZADI KA AMRIT MAHOTSAV |
| 1284/2021-22 | 31.01.2022 | Government of India Diary and Calender App |
| 1281/2021-22 | 28.01.2022 | COVID AFFECTED EMPLOYEES TREATMENT OF PERIOD OF ABSENCE- SPECIAL LEAVE |
| 1279/2021-22 | 28.01.2022 | Online Streaming of Republic Day Parade and Beating the Retreat-2022 |
| 1285/2021-22 | 31.01.2022 | SH. MOHD WAMICK S/O SH. WASIM ALI-OFFICER PF CODE- MI6307-MEERUT KANKER KHEDA BRANCH, NOIDA ZONE-REVOCATION OF SUSPENSION FROM SERVICE |
| 1286/2021-22 | 01.02.2022 | DEARNESS ALLOWANCE FOR THE MONTHS OF FEBRUARY, MARCH & APRIL 2022 |
| 1299/2021-22 | 02.02.2022 | POLICY/GUIDELINES WITH RESPECT TO DEPUTATION OF OFFICERS/SPECIALIST OFFICERS TO/ FROM ANOTHER PUBLIC SECTOR ORGANIZATION/ BANK/FINANCIAL INSTITUTIONS/GOVERNMENT DEPARTMENTS DOWNLOAD: ANNEURE |

Head Office during Q4 Quarter

| Circular No. | Dated | Regarding |
|--------------------------------------|-------------------|--|
| 1319/2021-22 | 07.02.2022 | Preventive Measures For Containing the Spread of Novel Coronavirus (COVID-19) |
| 1308/2021-22 | 04.02.2022 | Wrong Practices Alleged to Have Been Prevailing in Banks/FIs |
| 1330/2021-22 | 14.02.2022 | Revision in expenditure limits pertaining to purchase of Mobile(s)/ Ipad(s)/ Tablet(s)/ Laptop(s) and Mobile/ Landline/ Data Charges-Clarification |
| 1427/2021-22 | 17.03.2022 | Vidyanjali (Higher Education) Volunteer Program of Ministry of Education Download:Annexure |
| 1458/2021-22 | 30.03.2022 | Punjab & Sind Bank Officer's Promotion Policy Download:Annexure A, Annexure B |
| HO IT DEPARTMENT | | |
| 1468/2021-22 | 28.03.2022 | Revised guidelines for adoption of Integrity Pact in procurements as per CVC: Names, Roles, and duties of IEMs Download: Annexures |
| HO PROVIDENT FUND DEPARTMENT | | |
| 1322/2021-22 | 07.02.2022 | Calculation and Deduction of TDS on Pension paid to EX-Staff Pensioners |
| 1267/2021-22 | 20.01.2022 | Special Scheme for Granting Loan to Retired Staff / Family Pensioners of Punjab & Sind Bank to pay premium for IBA's Group Health Insurance Policy for 2021-22 |
| HO PRIORITY SECTOR DEPARTMENT | | |
| 1220/2021-22 | 03.01.2022 | Scheme for Financing Covid Affected Tourism Service Sectors backed by Loan Guarantee Scheme for Covid Affected Tourism Service Sectors (LGSCATSS) |
| 1262/2021-22 | 19.01.2022 | Credit Guarantee Fund Trust for Micro and Small Enterprises (CGTMSE) Scheme |
| 1265/2021-22 | 20.01.2022 | Deendayal Antyodaya Yojana - National Rural Livelihood Mission (DAY-NRLM) - Interest Subvention Scheme -: Applicable WAIC (2021-22) |
| 1264/2021-22 | 20.01.2022 | Submission of claim for EWS LIG under PMAY(U) for loan sanctioned and disbursed from 17.06.2015 |
| 1265/2021-22 | 20.01.2022 | Deendayal Antyodaya Yojana - National Rural Livelihood Mission (DAY-NRLM) - Interest Subvention Scheme -: Applicable WAIC (2021-22) |
| 1374/2021-22 | 28.02.2022 | CREATION OF NEW SCHEME CODE FOR AGRICULTURE LOAN PRODUCTS |
| 1342/2021-22 | 15.02.2022 | INDIRA GANDHI URBAN CREDIT CARD SCHEME- 2021' FOR THE STATE OF RAJASTHAN |
| 1325/2021-22 | 10.02.2022 | MUKHYAMANTRI UDYAM KRANTI YOJANA (MMUKY) FOR THE STATE OF MADHYA PRADESH |
| 1311/2021-22 | 10.02.2022 | SELF EMPLOYMENT SCHEME FOR REHABILITATION OF MANUAL SCAVENGERS-REVISED |
| 1310/2021-22 | 10.02.2022 | PSB SCHEME FOR FINANCING STORAGE INFRASTRUCTURE |
| 1321/2021-22 | 08.02.2022 | Extension of last date - Opening of Web portal – Ambedkar Central Subsidy Scheme on Education Loans for Overseas Studies for Other Backward Classes(OBCs) & Economically Backward Classes(EBCs) – for submission of claim pertaining to December 2021 Quarter (FY 2021-22) |
| 1307/2021-22 | 03.02.2022 | Relaxation of EDP Training for Claiming Margin Money under PMEGP Scheme |
| 1305/2021-22 | 03.02.2022 | Inspection of CGTMSE covered cases |
| 1304/2021-22 | 03.02.2022 | Clarification on updating Outstanding for Working Capital Accounts under CGTMSE Scheme |
| 1295/2021-22 | 02.02.2022 | Extension of last date - Opening of Web portal – Padho Pardesh – for submission of claim pertaining to December 2021 Quarter (FY 2021-22) |
| 1462/2021-22 | 30.03.2022 | Coverage of Wholesale Trade and Educational Institution under Credit Guarantee Scheme and Updation of Udyam Registration Number in CGTMSE Portal |
| 1454/2021-22 | 28.03.2022 | OPERATIONAL GUIDELINES OF NATIONAL LIVESTOCK MISSION |
| 1451/2021-22 | 28.03.2022 | Scheme for Financing Covid Affected Sectors backed by Loan Guarantee Scheme for Covid Affected Sectors (LGSCAS) - Modifications |
| 1428/2021-22 | 16.03.2022 | New Definition of Micro, Small and Medium Enterprises-Clarification |

बैंकों में बढ़ती धोखाधड़ी : कारण और निवारण



मनीषा खटीक

आज के अस्थिर आर्थिक माहौल में बैंकिंग उद्योग में धोखाधड़ी करने के अवसर और प्रोत्साहन दोनों बढ़ गए हैं। बैंकिंग उद्योग में पूंजी के दुरुपयोग, धन-शोधन, साइबर अपराध और अकाउंटिंग धोखाधड़ी के मामले दिन दृ प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। प्रौद्योगिकी में बदलाव के साथ धोखाधड़ी ने संगठित अपराध के आकार और तौर दृ तरीकों को ग्रहण कर लिया है, जिससे तेजी से परिष्कृत और अभिनव तरीकों के वित्तीय अपराध के मामले सामने आ रहे हैं। 21वीं सदी में जैसे-जैसे वित्तीय लेन-देन तेजी से प्रौद्योगिकी चालित होते जा रहे हैं, ऐसा लगता है जैसे नई तकनीक धोखाधड़ी करने के सरल शस्त्र की तरह सामने आयी है।

धोखाधड़ी को रोकने के लिए कोई सरल तरीका नहीं है, लेकिन प्रौद्योगिकी और रोकथाम तकनीकों के सही मिश्रण से इस क्षेत्र में हो रहे जोखिम को कम किया जा सकता है। बैंकों और साइबर अपराधियों के बीच आजकल एक अंतहीन खेल चल रहा है। वित्तीय संस्थान ऑनलाइन धोखाधड़ी को रोकने के लिए एक नई प्रक्रिया या प्रौद्योगिकी की व्यवस्था करते हैं और वहीं ये साइबर अपराधी उस तकनीक की कोई-न-कोई कमजोर कड़ी पकड़ कर अपने अपराध को अंजाम दे देते हैं एवं हमें हानि पहुंचा जाते हैं। किन्तु ऐसा भी नहीं है कि हम इससे बिलकुल ही बचाव नहीं कर सकते। थोड़ी सी सावधानी बरतकर हम साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षित रह सकते हैं, जैसे –

- ◆ उपयुक्त तकनीकों को अपनाएं – मजबूत प्रमाणीकृत प्रणाली का ही प्रयोग करें, विशेषीकृत सॉफ्टवेयर और बैंक सेवाएँ, अदाकर्ता – प्राप्तकर्ता का सही सत्यापन करना। उदाहरण के लिए सुरक्षा की जितनी अधिक परतें होंगी, किसी भी संस्था को अपने ग्राहकों से संबंधित व्यक्तिगत सूचना को उतने ही सुरक्षित रूप में रखा जा सकेगा।
- ◆ अपने आंतरिक नियंत्रणों पर ध्यान देने की आवश्यकता – संस्थाओं को अपने आंतरिक नियंत्रणों पर ध्यान देना चाहिए। सतर्क बैंक विभिन्न प्रक्रियाओं और अपने विभिन्न कर्तव्यों पर नियंत्रण रखते हैं। आईटी स्टाफ को अपने कार्य में पूर्णतः कुशल होना चाहिए ताकि वे किसी भी विषम परिस्थिति में अपनी संस्था को साइबर अपराध से सुरक्षित कर सकें।
- ◆ अपने कर्मचारियों और ग्राहकों को जागरूक एवं प्रशिक्षित बनाएँ – बैंक के कर्मचारियों को आपराधिक गतिविधियों के संकेतों को पहचानने, सतर्क रहने एवं इसे तुरंत रिपोर्ट करने के तरीके को जानने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा एटीएम कार्ड, नेट बैंकिंग, पीओएस मशीन और अन्य वैकल्पिक डिलीवरी

के विभिन्न उपकरणों के सही उपयोग में प्रशिक्षित होने की आवश्यकता होगी। बैंकों का यह भी कर्तव्य है कि वे अपने ग्राहकों को अपने सभी डिजिटल उत्पादों को प्रयोग करने के विधियों के विषय में सूचित करें, ताकि सही जानकारी न होने के कारण उनसे कोई गलती हो जाए और साइबर अपराधी जो इस तरह के चूक की तलाश में रहते हैं वे इसका लाभ उठा ले जाएं। जैसे – अपना पिन किसी के साथ साझा न करें, ओटीपी किसी को न बताएं आदि।

बैंकों में धोखाधड़ी का स्वरूप बहुत ही वृहद है। यहाँ खाते खोलने से लेकर ऋण देने तक धोखाधड़ी के खतरे रहते हैं। जैसे ऊपर हमने साइबर धोखाधड़ी के खतरे के विषय में चर्चा की वैसे ही बैंकिंग जगत में एक प्रकार से ऋण के क्षेत्र में भी बहुत अधिक देखने में आ रहा है। जो एन. पी. ए. के रूप में परिलक्षित होता है। आज दौर में ये बैंकिंग व्यवसाय को तीव्र गति से कमजोर बना रहा है। बैंकों द्वारा दिए गए ऋण थोड़ी सतर्कता कि कमी, सही नियमों का अनुपालन न करने एवं ग्राहकों की सही सत्यता/प्रामाणिकता न करने के कारण एन. पी. ए. में बदल रहे हैं। मेरा मानना है कि बाजार में ऐसे कई व्यक्ति मौजूद हैं, जिनका एक समूह है। जो ऋण के नाम पर धोखाधड़ी करने में माहिर हैं। ऐसे लोग तकनीकी रूप से काफी मजबूत होते हैं और आईटी का अच्छा खासा ज्ञान रखते हैं। लेकिन एक बैंकर यदि सजग होकर अपनी संस्था के सभी नियमों के अनुपालन एवं व्यक्तिगत रूप में भी ग्राहक के व्यवसाय या उसके आय के प्रमाणन, केवाईसी जांच आदि पैमानों के द्वारा सुनिश्चित कर ऋण प्रदान करें और समय-समय पर ऋण खाते की निगरानी करे, तो इस प्रकार के जोखिम की संभावना से बचा जा सकता है।

इस प्रकार हम देखते हैं कि बैंक एक ऐसी संस्था है जहाँ हर कदम पर हमें जोखिम का खतरा है। चाहे वह व्यक्तिगत रूप में ग्राहकों द्वारा हो अथवा प्रत्यक्ष धोखाधड़ी के रूप में हो या अप्रत्यक्ष रूप में कंप्यूटर पर बैठे दूर दूराज से किसी साइबर अपराधी द्वारा धोखाधड़ी हो। बैंक के कार्मिकों को इस प्रकार की धोखाधड़ी से बचने के लिए सतर्क, सचेत होने की आवश्यकता है। जिससे कि आम जनता अपने धन को बैंकों में सुरक्षित रखकर निश्चित रह सके एवं बैंक उस धन का व्यवसाय में प्रयोग कर लाभ उठा पाएँ। अंततः बैंकिंग संस्था का अंतिम उद्देश्य लाभ कमाना है, धोखाधड़ियों द्वारा उनका दुरुपयोग किसी भी प्रकार से उठाने नहीं दे सकते। थोड़ी सतर्कता बरती जाए तो ग्राहक एवं बैंक दोनों अपनी संपदा को सुरक्षित रख कर भारत की अर्थव्यवस्था को सुधारने में अपना सहयोग देने में समर्थ हो सकेंगे।

राजभाषा प्रबंधक, आं.का. कोलकता

Initiatives taken by the Bank For the benefits of customers during March 2021-22 quarter

- ▶ Bank introduced new PSB SMART Salary Account Scheme for Corporates and Govt Employee with salary below Rs.25000/-
- ▶ Based on the guidelines issued by Government of Rajasthan, Bank launched a new scheme “Indira Gandhi Urban Credit Card Scheme” for the state of Rajasthan for providing interest free micro-credit facility without any guarantee for street vendors as well as people providing services in the informal sector & unemployed youth.
- ▶ Based on the guidelines issued by Government of Madhya Pradesh, Bank launched a new scheme “Mukhyamantri Udyam Kranti Yojana” for the state of Madhya Pradesh for providing financial assistance to all Manufacturing units with projects ranging from Rs.1 lakh to Rs.50 Lakh and Service units for projects ranging from Rs.1 lakh to Rs.25 Lakh under Madhya Pradesh State with interest subsidy of 3% from Government of Madhya Pradesh.
- ▶ Bank has launched scheme for Financing Storage Infrastructure to meet the Term Loan and Working Capital requirement of the farmer/eligible organization in construction/running of scientific storage facility and to develop market infrastructure.
- ▶ Bank has launched Scheme for overdraft facility of Rs.5000.00 to individual Women SHG.
- ▶ Bank has launched separate scheme for purchase of new Electrical Car (e-Vehicle) & reimbursement of New Electrical Car (e-Vehicle).
- ▶ Bank has launched PSB Umang Campaign to offer loans at concessional terms.
- ▶ The Bank has reduced the margin to 10% for Home Loan upto Rs. 30 lakh. Further, the Bank is financing 15% of the cost of the house/flat or Rs. 25 lakh, whichever is lower along with Housing Loan towards fixtures/fittings.
- ▶ The Bank has reduced the margin to offer better quantum of finance in PSB Mortgage, PSB Vyapar and PSB SME Liquid Plus



Sandeep Dashrath Unvane

Green Revolution 2.0

In this article we understand what is Green Revolution and does India need Green Revolution 2.0? Green revolution means production of more food grains by using different modern technologies like expansion of farming area, double cropping system and using of seed with improved genetics. During 60's we India are food deficit country and spend most of our money on importing food grains. During that time India is unable to fulfill it's food production.



Dr. M. S. Swaminathan led the Green revolution known as father of green revolution in India. Dr. Swaminathan inspired from Norman Borlaug known as a father of Green revolution in world. The Green revolution resulted in great increase in production (especially in Wheat and Rice) due to introduction of new varieties. The Green revolution spreading over the period changed India's status from food deficient country to food exporter country.

This Green revolution have some positive impacts like tremendous increase in crop production and established India as a biggest Agriculture producer. It results in reducing import from other countries. Another impacts like it benefits farmers and improve their financial situation. Finally it led to industrial growth and rural empowerment.

Green revolution having another side of the coin too. It have some negative impacts like mainly focused on food grains like Wheat and Rice but non food grains like Pulses and Oilseed are left out. Also it led to regional disparities in Northern states like Punjab and Haryana. Due to excessive use of chemical and water the agriculture lands of Punjab

and Haryana becomes less fertile. As using of machinery the unemployment increase along with health hazards due to high doses of chemical and fertilizers. Health issues like Cancer, renal failure, still born babies and birth defects.

Countering to ill impacts of Green Revolution India requires Green Revolution 2.0 on priority basis. In the Green Revolution 2.0 we require to have a high production of crops but along with minimum the negative impact on nature. As our population increasing day by day we must focus on each and every aspect of production. It can be achieve through organic farming and sustainable farming methods along with minimum uses of chemical and fertilizers. This methods of Agriculture crop production reducing the risk of chemicals. Along with this Co-operative farming, Joint farming, Mixed farming also result in good production with minimum damage to nature.

As a way forward taking lesson from part the policymakers must target the poor more precisely to ensure that they receive greater direct benefits from new technologies and those technology must be environmentally sustainable.

AFO, ZO GURDASPUR

ਬੈਂਕ ਦੁਆਰਾ ਪ੍ਰਧਾਨਮੰਤਰੀ ਜਨ ਸੁਰੱਖਾ ਬੀਮਾ ਯੋਜਨਾ ਦੇ ਤਹਿਤ ਲਾਭਾਰਥੀਆਂ ਨੂੰ 2 ਲੱਖ ਦੀ ਬੀਮਾ ਰਾਸ਼ੀ ਆਂਚਲਿਕ ਕਾਰਜਾਲਯ ਲੁਧਿਆਨਾ ਦੁਆਰਾ ਜਾਰੀ ਕੀ ਗਈ। ਇਹ ਰਾਸ਼ੀ ਆਂਚਲਿਕ ਕਾਰਜਾਲਯ ਲੁਧਿਆਨਾ ਦੇ ਆਂਚਲਿਕ ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਸ਼੍ਰੀ ਅਹੁਣੀ ਕੁਮਾਰ ਜੀ ਦੁਆਰਾ ਗੁਆਘਾ ਸਮਾਜਿਕ ਸੇਵਾ ਮੈਂ ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀ ਗਈ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਪਰ ਆਂਚਲਿਕ ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਨੇ ਗੁਆਘਾ ਮੈਂ ਮੌਜੂਦ ਗ੍ਰਾਹਕਾਂ ਨੂੰ ਸੰਬੋਧਿਤ ਕਰਦੇ ਹੁਏ ਬੈਂਕ ਦੀ ਯੋਜਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਅਵਗਤ ਕਰਾਏ ਅਤੇ ਬੈਂਕ ਦੀ ਯੋਜਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਲਾਭ ਉਠਾਉਣ ਦੇ ਲਿਏ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕੀਏ।



ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਜਨ ਸੁਰੱਖਾ ਬੀਮਾ ਯੋਜਨਾ ਅਧੀਨ ਪੰਜਾਬ ਐਂਡ ਸਿੰਧ ਬੈਂਕ ਵੱਲੋਂ ਲਾਭਪਾਤਰੀ ਨੂੰ 2 ਲੱਖ ਦੀ ਬੀਮਾ ਰਾਸ਼ੀ ਜਾਰੀ

ਲੁਧਿਆਣਾ, 21 ਮਾਰਚ (ਪੰਜਾਬ ਟੋਲੀ) - ਆਂਚਲਿਕ ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਵੱਲੋਂ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਜਨ ਸੁਰੱਖਾ ਬੀਮਾ ਯੋਜਨਾ, ਵਿਸ਼ਵੀ ਸਰਕਾਰ ਦੁਆਰਾ 12 ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਵੱਧ ਦੇ ਸਮੇਂ ਪੰਜਾਬ ਐਂਡ ਸਿੰਧ ਬੈਂਕ ਸਮਾਜਿਕ ਸੇਵਾ ਸਿੱਧ ਸਮੂਹ ਦੇ ਵੱਲੋਂ ਗੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੂੰ 2 ਲੱਖ ਰੁਪਏ ਦੀ ਰਾਸ਼ੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਪੰਜਾਬ ਐਂਡ ਸਿੰਧ ਬੈਂਕ ਦੀ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਸ਼੍ਰੀ ਅਹੁਣੀ ਕੁਮਾਰ ਜੀ ਦੁਆਰਾ ਗੁਆਘਾ ਸਮਾਜਿਕ ਸੇਵਾ ਮੈਂ ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਗੁਆਘਾ ਸਮਾਜਿਕ ਸੇਵਾ ਮੈਂ ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤੀ ਗਈ।



ਇਸ ਮੌਕੇ ਪੰਜਾਬ ਐਂਡ ਸਿੰਧ ਬੈਂਕ ਦੇ ਆਂਚਲਿਕ ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਸ਼੍ਰੀ ਅਹੁਣੀ ਕੁਮਾਰ ਜੀ ਨੇ ਗੁਆਘਾ ਸਮਾਜਿਕ ਸੇਵਾ ਮੈਂ ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਪੰਜਾਬ ਐਂਡ ਸਿੰਧ ਬੈਂਕ ਦੇ ਆਂਚਲਿਕ ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਸ਼੍ਰੀ ਅਹੁਣੀ ਕੁਮਾਰ ਜੀ ਨੇ ਗੁਆਘਾ ਸਮਾਜਿਕ ਸੇਵਾ ਮੈਂ ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤੀ ਗਈ।

INTRODUCTION OF MENTORSHIP SCHEME



Tanay Verma

Mentoring can be one of the most valuable and effective development opportunities an organization can offer to its new employees. Thus, in order to achieve true excellence in public service, over years in a sustained manner, the Central Vigilance Commission had formed a 5 membered committee to examine the issue and came up with a formal mentorship structure.

In line with draft guidelines for Mentorship scheme provided by the CVC, mentorship scheme is being introduced in our Bank as mentioned below:

- ◆ Initially the scheme shall be limited to newly inducted staff members.
- ◆ Period of mentorship scheme will be 1 year for newly joining clerks and for 3 years for Probationary Officers.
- ◆ Officer of Scale I or above will be the mentor for clerks and Officer Scale II or above will be the mentors for Probationary Officers.
- ◆ Mentor shall initially get to know the mentee well and be accessible informally for interaction with mentee. The mentee should feel comfortable in approaching his/her mentor for consultation.
- ◆ While mentor will be in a position to give extensive guidance; mentor should also be a good listener and prioritize hearing about how the mentee is doing professionally, if there are any workplace difficulties and also if mentee is going through some personal difficulties which may impact his/her professional performance. Being a good listener and observing behaviour of mentee will allow mentor to better guide the mentee.
- ◆ Mentor should be in regular touch with the mentee either telephonically, via virtual platform or in-person meetings over a cup of tea. The frequency of interaction may be once a month.
- ◆ Mentor may socialize with the mentee by hosting a family lunch or dinner once or twice in a year. A limited hospitality expense of the mentor may be reimbursed.
- ◆ Mentor may apart from oral guidance and feedback also write personalized letters/e-mails on one or two occasions during the year to his/her mentee. The letters may have a friendly and positive tone and highlight some issues needing correction without sounding offensive and encourage the mentee to perform better professionally.
- ◆ Mentor may one or two occasions take a feedback from the immediate supervisory officer of the mentee on how the mentee is performing and whether the mentee has the right professional attitude towards work, which areas needing more focus and any other shortcomings identified.
- ◆ Mentor should make an effort to share his/her professional experiences and learnings during interactions with mentee; try to transfer his/her professional knowledge and skill sets; impart positive attitude towards public service; emphasise on importance of integrity and financial propriety and manner of proper conduct by a public servant in society.
- ◆ Mentor is not expected to intervene in professional matters on behalf of mentee and also not make recommendations on transfers or postings of the mentee. A mentor is to have an informal relationship as a 'friend, philosopher and guide'.
- ◆ Mentors are not to be forceful in their approach. They must be respectful and not tend to curb the enthusiasm, innovation and sincere initiatives of mentees. It may be borne in mind that despite their best efforts not all

mentees would be receptive enough to moulding.

- ◆ Mentors may also use the opportunity to understand points of view, new approaches and innovations that mentees may have. Youngsters may often be more innovative and have a new way of looking at things. This may give a new perspective to mentors also.

Feedback, Change of mentor- mentee allocation and Exit: The evaluation and feedback will be informal and be properly recorded. The history sheet of mentors- mentees shall be recorded, in their service record, for any future reference. The mentor or mentees may be changed when and where required with the approval of their controlling office.

Manager, HO-HRD, Training Cell

ੴ ਸ੍ਰੀ ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਜੀ ਕੀ ਫਤਹਿ

पंजाब एण्ड सिंध बैंक
(भारत सरकार का उपक्रम)

Punjab & Sind Bank
(A Govt. of India Undertaking)

Where service is a way of life

EMI per lakh
₹1500/-

PSB
APNA VAHAN

75
Azadi Ka
Amrit Mahotsav

PSB UniC
You & I Connected

6.80%*
Rate of Interest

100%*
on road finance

Nil
Prepayment Charges

Longest repayment period upto 7 yrs

*T&C Apply *Interest Rate- Linked to Repo Rate

1800 419 8300 (Toll Free)

Follow us @PSBIndOfficial

f t in i

LIST OF BANCASSURANCE NODAL OFFICERS

With a view to provide “One Stop Banking” Punjab & Sind Bank has taken a number of initiatives for the benefit of its invaluable customers by catering various financial products & Services.

To provide full range of insurance products to its customers, realize full value of its reach and customer base and to facilitate the customers to cover themselves against various kinds of risks, Bank undertook a Corporate Agent (Composite) License from IRDAI for soliciting products of trusted Life & General Insurance Companies viz.

- ◆ Life Insurance Corporation of India
- ◆ SBI Life Insurance Co. Ltd
- ◆ Oriental Insurance Co. Ltd
- ◆ The New India Assurance Co. Ltd
- ◆ Bajaj Allianz General Insurance Co. Ltd

The Contact Details of the above mentioned Insurers are attached for your reference.

| S.N. | NAME | MOB NO. | E-MAIL I'D | CO NAME |
|------|-----------------|------------|---------------------------------------|--|
| 1 | NIKITA KUMAR | 7507457858 | Nikita.Kumar@bajajallianz.co.in | BAJAJ ALLIANZ GENERAL INSURANCE CO LTD |
| 2 | BHARAT VYAS | 8447738681 | bharat.vyas@bajajallianz.co.in | BAJAJ ALLIANZ GENERAL INSURANCE CO LTD |
| 3 | RAJIV BAKSHI | 8882083952 | rajiv.bakshi@newindia.co.in | THE NEW INDIA ASSURANCE CO LTD |
| 4 | MEENA DHINGRA | 9910706758 | meena.kumar@newindia.co.in | THE NEW INDIA ASSURANCE CO LTD |
| 5 | SANJAY JAIN | 9414254050 | sanjayjain@orientalinsurance.co.in | ORIENTAL INSURANCE CO LTD |
| 6 | VIJENDER MEENA | 8851144864 | vijendermeena@orientalinsurance.co.in | ORIENTAL INSURANCE CO LTD |
| 7 | ASHOK SOORNEEDI | 9599939291 | nrmbac@licindia.com | LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA |
| 8 | AKMAL FAROUQI | 9793498000 | nz_bac@licindia.com | LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA |
| 9 | ARUN SETH | 9810193762 | arun.seth@sbilife.co.in | SBI LIFE |
| 10 | ANITA PESHKAR | 9820303025 | ANITA.PESHKAR@SBILIFE.CO.IN | SBI LIFE |



आंचलिक कार्यालय गुरुग्राम का दौरा



दिनांक 01.03.2022 को श्री एस. कृष्णन, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा आंचलिक कार्यालय गुरुग्राम का दौरा किया गया।



दिनांक 09.03.2022 को श्री कोल्लेगल वी राघवेंद्र, कार्यकारी निदेशक द्वारा आंचलिक कार्यालय गुरुग्राम का दौरा किया गया।

१६ औं वार्षिकसु ली वी ड्रविव

पंजाब एण्ड सिंध बैंक
(भारत सरकार का उपक्रम)



Punjab & Sind Bank
(A Govt. of India Undertaking)

Where service is a way of life



PSB
e-Vahan

ROI
6.80%*



For purchase of New Electrical Car (e-vehicle) & Reimbursement of cost of New Electrical Car (e-Vehicle).

Finance upto 100%* of on-road price

Repayment period- 7 years

NIL Processing/Prepayment charges*

*T&C Apply

FOR FURTHER DETAILS, PLEASE CONTACT OUR NEAREST BRANCH, OR
Visit us at: <https://punjabandsindbank.co.in>

1800 419 8300 (Toll Free) | E-mail: dgm.ce@psb.co.in

Follow us @PSBIndOfficial     

प्रधान कार्यालय

बैंक हाउस, 21, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली - 110008

संपर्क : 011 45718984

ई-मेल : editor.navodaya@psb.co.in

टॉल फ्री : 1800-419-8300

Head Office

Bank House, 21, Rajendra Place,

New Delhi - 110008

Ph.: 011 45718984

E-mail: editor.navodaya@psb.co.in

Toll Free No.: 1800-419-8300